मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 24 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद शुक्ल 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 20 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 हनुमान अंश की अपार सफलता और भारतीय सिनेमा का नया परिदृश्य

टी-20 रैंकिंग में छाए श्रेयस अय्यर, सात पायदान की लगाई छलांग, टॉप फाइव में हैरी ब्रूक 6

मवेशी तस्करी कर रही बोलेरो पलटी, दो की मौत, तीन मवेशियों ने भी दम तोड़ा

जामताड़ा : करमाटांड़ थाना क्षेत्र के करमाटांड़-मदनकट्टा मुख्य मार्ग पर शहरजोरी के समीप गुरुवार अहले सुबह मवेशी लदी बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में बोलेरो सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि वाहन में लदे पांच मवेशियों में से तीन की भी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मृतकों की पहचान नारायणपुर थाना क्षेत्र के चिरुडीह गांव निवासी अशरफ अंसारी (35) और रफीक अंसारी (40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बोलेरो की सीटें खोलकर उसके अंदर पांच मवेशियों को लादकर ले जाया जा रहा था। शहरजोरी के पास अचानक बोलेरो अनियंत्रित हुई और सड़क पर पलट गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में वाहन में लदे पांच मवेशियों में से तीन की भी मौत हो गई, जबकि दो मवेशियों के संबंध में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही करमाटांड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जामताड़ा भेज दिया।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को भी कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वाहन में मवेशियों को किस तरह लादा गया था और उन्हें कहां ले जाया जा रहा था, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। हालांकि प्रथम दृश्य में पता चला है कि यह सब बिंदापाथर थाना क्षेत्र में मवेशी चोरी का ला रहा था। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह गाड़ी प्रत्येक दिन शाम और अहले सुबह इधर से गुजरते थे।

जमशेदपुर में भीषण सड़क हादसा, मंत्री दीपिका पांडेय की बेटी समेत चार की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

सड़क किनारे खड़े खराब ट्रेलर के पीछे जा घुसी तेज रफ्तार कार

जमशेदपुर : जिला में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। सोनारी थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव पर तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े खराब ट्रेलर के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार ट्रेलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गई और उसके परखच्चे उड़ गए। मृतकों में झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडे सिंह की बेटी तृषा सिंह भी शामिल हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही डीएसपी सीसीआर मनोज ठाकुर, सोनारी थाना प्रभारी संजय सुमन समेत पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। गैस कटर की मदद से कार को काटकर चारों

शवों को बाहर निकाला गया। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सार्थक अग्रवाल, नमन गुप्ता, वंशिका खंडेलवाल और तृषा सिंह के रूप में हुई है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है।

अनुमंडल पदाधिकारी अर्णव मिश्रा के अनुसार, संबंधित ट्रेलर बुधवार रात करीब 10 बजे खराब होने के बाद सड़क पर खड़ा था। गुरुवार तड़के करीब 3 बजे तेज रफ्तार कार पीछे से ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और अंधेरे के कारण सड़क पर खड़े ट्रेलर का समय पर दिखाई नहीं देना हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस दुर्घटना के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। प्रशासन यह भी पता लगा रहा है कि खराब ट्रेलर के पीछे जरूरी चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर या अन्य सुरक्षा व्यवस्था मौजूद थी या नहीं। चार लोगों की मौत की खबर फैलते ही इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। हादसे में शामिल वाहन और सड़क पर खड़े ट्रेलर की स्थिति की भी जांच की जा रही है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जमशेदपुर हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मंत्री दीपिका पांडे सिंह की बेटी तृषा सिंह समेत अन्य मृतकों के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि संतान को खोने का दुख किसी भी माता-पिता और परिवार के लिए असहनीय होता है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगतों की आत्मा की शांति और परिजनों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति मिलने की कामना की।

तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक-स्कूटी को मारी टक्कर, एक की मौत, तीन घायल

संवाददाता

गुमला : शहर के सिसई रोड पर बुधवार रात तेज रफ्तार अज्ञात बोलेरो ने कुछ ही दूरी के अंतराल में दो सड़क हादसों को अंजाम दिया। पहली घटना में बाइक सवार हेसागुटु, सिसई निवासी महेश महतो की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया।

जानकारी के अनुसार, बोलेरो ने पहले बाइक सवार दो युवकों को अपनी चपेट में लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महेश महतो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दूसरा युवक घायल हो गया। हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन रोकने

के बजाय तेज गति से भागने लगा।

कुछ दूर आगे सिसई रोड स्थित मदरसा के पास बोलेरो ने एक स्कूटी को भी टक्कर मार दी। स्कूटी पर दो भाई पानी लेकर लौट रहे थे। हादसे में लोहरदगा रोड निवासी आदित्य प्रकाश के सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई है, जबकि चेटर निवासी नैतिक का पैर टूट गया। दोनों घायलों को सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

लगातार दो हादसों के बाद स्थानीय लोगों ने बोलेरो का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन चालक तेज रफ्तार से वाहन लेकर पालकोट रोड की ओर फरार हो गया। देर रात तक पुलिस बोलेरो और उसके चालक की पहचान नहीं कर सकी थी।

जमशेदपुरः कैनरा बैंक में दिनदहाड़े डकैती, हथियारबंद अपराधियों ने कर्मियों को बंधक बना लूटा सोना-नकदी

जमशेदपुर : गोलमुरी स्थित केनरा बैंक में गुरुवार को दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने डकैती की। करीब पांच की संख्या में पहुंचे अपराधियों ने बैंककर्मियों को बंधक बनाया और बैंक मैनेजर से चेस्ट खुलवाकर सोना व बड़ी मात्रा में नकदी लेकर फरार हो गए।

बताया जा रहा है कि अपराधियों ने वारदात को अंजाम देने के दौरान बैंक में मौजूद कर्मचारियों को हथियार के बल पर बंधक बनाए रखा। लूट के बाद सभी अपराधी पैदल ही बैंक से बाहर निकले और मौके से फरार हो गए।

शुरूआती जानकारी के अनुसार, लूटी गई संपत्ति की कीमत करोड़ों रुपये में होने की आशंका है। हालांकि कितनी नकदी और कितना सोना लूटा गया है, इसका आधिकारिक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और बैंक परिसर की जांच शुरू की। पुलिस ने बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ अपराधियों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाने में जुटी है। आसपास के इलाकों में भी पुलिस की टीमों को सक्रिय किया गया है। दिनदहाड़े बैंक में लूट की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और लूट में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

सिरसा में मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, मोटरसाइकिल सवार समेत 5 की मौत, 30 मजदूर घायल

सिरसाः हरियाणा के सिरसा में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 30 मजदूर घायल हो गए। हादसा गांव मल्लेका के पास सुबह करीब 8:30 बजे हुआ। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के मुताबिक, एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ऑटू हेड से नरमा चुनाई के लिए मजदूरों को लेकर पंजाब हेड की ओर जा रही थी। इसी दौरान सिरसा की तरफ से आ रहे एक ट्राले से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और उसमें सवार मजदूर सड़क पर जा गिरे। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली की ट्रॉली में करीब 30 मजदूर सवार थे। हादसे में दो महिला मजदूरों समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 30 मजदूर घायल हो गए। इसी दौरान मल्लेका की ओर से ऐलनाबाद की तरफ जा रहा एक मोटरसाइकिल सवार भी ट्राले की चपेट में आ गया। ट्राला पलटने से बाइक सवार उसके नीचे दब गया और उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई। इस तरह हादसे में कुल पांच लोगों की मौत की सूचना है। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में फंसे और सड़क पर गिरे मजदूरों को बाहर निकाला। घायलों को उपचार के लिए सिरसा ले जाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ हादसे की जांच शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा: यमुना एक्सप्रेस पर स्लीपर बस में लगी भीषण आग, 9 की मौत

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक्सप्रेस वे पर एक स्लीपर बस में भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। जब ये हादसा हुआ उस वक्त बस में 30 से ज्यादा लोग सवार थे। बस में ये आग नोएडा से करीब 33 किलोमीटर आगे जेवर कार्गो एयरपोर्ट के पास लगी। आग लगते ही बस में अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई यात्रियों ने चलती बस से कूदकर जान बचाई, लेकिन बस के ऊपरी हिस्से में बैठे यात्री बाहर नहीं निकल पाए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और बस के शीशे तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बस से 20 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। लेकिन आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरी बस जलकर खाक हो गई। बस कश्मीरी गेट दिल्ली से यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते महोबा जा रही थी। शुरूआत जांच के मुताबिक, बस के एसी में स्पार्क होने के कारण बस के इंजन लुब्रिकेंट ऑयल में आग लगकर तेजी से फैल गई। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी है।

भारत के सबसे बड़े अमीर व्यक्ति बने गौतम अडानी दौलत के मामले में 59,400 करोड़ पीछे छूटे अंबानी

मुंबईः जाने-माने उद्योगपति गौतम अडानी और उनके परिवार ने मुकेश अंबानी और उनके परिवार को पीछे छोड़कर हुरुन इंडिया रिच लिस्ट-2026 में पहला स्थान फिर से हासिल कर लिया है। अडानी की संपत्ति 13 फीसदी बढ़कर 9.23 लाख करोड़ रुपए (96 बिलियन डालर) हो गई, जबकि अंबानी की संपत्ति 10 फीसदी घटकर 8.63 लाख करोड़ रुपए (90 बिलियन डालर) रह गई। अब अडानी, अंबानी से 59,400 करोड़ रुपए आगे हैं। ताजा हुरुन लिस्ट में ऐसे 1,810 लोग शामिल हैं, जिनकी संपत्ति कम से कम 1,000 करोड़ रुपए है। उनकी कुल संपत्ति पिछले साल के मुकाबले 12.8 फीसदी बढकर 187.5 लाख करोड़ रुपए (1.96 ट्रिलियन डालर) हो गई है, जो भारत की जीडीपी के लगभग आधे के बराबर है।

पुलिस थानों में सीसीटीवी नहीं लगाये पर हाइकोर्ट नाराज

मुख्य सचिव, गृह सचिव व डीजीपी पर अवमानना की कार्रवाई शुरू का नोटिस जारी

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के पुलिस थानों में सीसीटीवी नहीं लगाये जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने मामले में राज्य मुख्य सचिव, गृह सचिव एवं डीजीपी को अवमानना की कार्रवाई शुरू करने के पूर्व उन्हें शो कॉज नोटिस जारी किया है। डीजीपी कोर्ट में सुनवाई के दौरान हाजिर हुई थी।

खंडपीठ ने कहा कि थानों में सीसीटीवी लगाए जाने के मामले में राज्य सरकार कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं करना चाहती है। इसलिए वह अपने शपथ पत्र में वास्तविक स्थिति को छुपाकर टालमटोल रवैया अपना रही है। ऐसे में कोर्ट के समक्ष तीनों अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने का ही विकल्प नजर आता है।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि वर्ष 2018 के बाद से अबतक कस्टोडियल डेथ के मामले की संख्या 450 से ज्यादा है, इसके बावजूद भी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरा नहीं लगाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरा लगाने को लेकर चार बार टेंडर किए गए लेकिन कोई नतीजा नहीं आया।

डीजीपी द्वारा पुलिस थानों में सीसीटीवी लगाए जाने की जिम्मेदारी गृह विभाग पर थोपना उनका गैर जिम्मेदाराना बयान है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर निर्धारित करते हुए मुख्य सचिव, गृह सचिव एवं डीजीपी को सो कॉज नोटिस का जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

यह बता दें कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य के डीजीपी को कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं होने पर अवमानना नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने उनसे पूछा था कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं होने पर उनपर क्यों नहीं अवमानना की कार्रवाई की जाए।

दरअसल वर्ष 2024 के चुनाव में तरुण महतो झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के इचागढ़ प्रत्याशी जा चुके हैं। 19 नवंबर 2025 को रात में इचागढ़ पुलिस उन्हें पड़कर थाने ले गई जहां हिरासत में उनकी बर्बरता से पिटाई की गई थी। उनपर थर्ड डिग्री इस्तेमाल कर इचागढ़ पुलिस ने उन्हें काफी टॉर्चर किया था। इसे लेकर उनकी पत्नी की ओर से हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को एक पत्र लिखा गया था। इसपर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। मामले में पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने एसपी सरायकेला को दस्तावेज के साथ बुलाया भी था।

हाईकोर्ट ने एसीबी में लंबित प्रारंभिक जांचों के मामले में फैसला रखा सुरक्षित

रांची : एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में प्रारंभिक जांच (पीई) के मामलों के जल्द निष्पादन को लेकर कोर्ट के स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया।

मामले में राज्य सरकार की ओर से संक्षिप्त नोट प्रस्तुत नहीं किया जा सका, जिस पर कोर्ट ने जल्द संक्षिप्त नोट प्रस्तुत करने का निर्देश सरकार को दिया। इससे पहले एमिकस क्यूरी ने मामले से संबंधित संक्षिप्त नोट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया था।

पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि अउइ में लंबित सभी प्रारंभिक जांचों की वर्तमान एवं अद्यतन स्थिति रिपोर्ट तैयार कर सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करे। इससे पहले हस्तक्षेपकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि एसीबी में कई प्रारंभिक जांच 11 साल से अधिक समय से लंबी पड़े हैं।

प्रारंभिक जांच लंबित रहने के दौरान ही कई लोग सेवानिवृत हो चुके हैं। उन्हें कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोगों का प्रारंभिक जांच वर्ष 2013 और 2022 से लंबित है।

न्यूज IN ब्रीफ

अकीदत के साथ मनाया गया उर्स-ए-सैयदना गौस-ए-आजम

रांचीः एदारा-ए-शरिया के सरपरस्त मो। सईद साहबके मेन रोड स्थित मधुबन मार्केट आवास पर बुधवार को उर्स-ए-सैयदना गौस-ए-आजम बड़े अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। इस मौके पर आयोजित रूहानी महफिल में बड़ी संख्या में उलमा-ए-कराम, सामाजिक व धार्मिक संगठनों से जुड़े लोग तथा अकीदतमंद शामिल हुए। आये हुए सभी लोगों का स्वागत मो तौहीद, मो महजूद ने किया।

कार्यक्रम का आगाज इस्लामी मरकज के छात्रों द्वारा तिलावत-ए-कलाम पाक से हुआ। इसके बाद उलमा-ए-कराम ने हजरत सैयदना गौस-ए-आजम की हयात-ए-तय्यबा, उनकी तालीमात और दीन-ए-इस्लाम के लिए उनकी बेशकीमती खिदमात पर रोशनी डाली। इस दौरान नात-ओ-मनकबत भी पेश किए गए, जिससे पूरी महफिल का माहौल रूहानी हो गया।

महफिल के दौरान मुल्क में अमन-ओ-आमान, भाईचारे, खुशहाली और तरक्की के लिए खास दुआ की गई। इसके बाद फातेहा-ख्वानी का आयोजन हुआ तथा लंगर का भी विशेष इंतजाम किया गया।

इस मौके पर इदारा-ए-शरिया के सरपरस्त मो।सईद, नाजिम-ए-आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, कारी अयूब रिजवी, डॉ। मौलाना ताजुद्दीन रिजवी, मौलाना कलीम, हाफिज जावेद, सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी के महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो। इस्लाम, उपाध्यक्ष आफताब आलम, ऑल इंडिया अंजुमन इदरिसिया के उपाध्यक्ष मो। तौहीद, प्रमुख खलीफा मो। महजूद, मौलाना शौकत, प्रिंसिपल इस्लामी मरकज मौलाना निजामुद्दीन रिजवी, मुफ्ती एजाज हसन मिसबाही, मंसूर चिश्ती, मौलाना तौसीफ, मौलाना नसीम, सादाब मंजर, मौलाना शमीम, खालिद उमर, नौशाद कादरी, सज्जाद इदरीसी, मनवर हुसैन भुट्टो, मो। माजिद सलमान, मो। कलीम समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे। रूहानी महफिल के समापन पर देश और प्रदेश में अमन, शांति, भाईचारे एवं खुशहाली की दुआ की गई।

बिरसा कॉलेज में घटाई गई स्नातक सीटें बढ़ाने की मांग, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

खूंटीः रांची विश्वविद्यालय के अधीन ग्रामीण महाविद्यालयों में स्नातक स्तर की सीटों में की गई कटौती का मामला अब राज्यपाल सह विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष गंगवार के समक्ष पहुंच गया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी के नेतृत्व में राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और ग्रामीण महाविद्यालयों में घटाई गई स्नातक सीटों को बढ़ाने की मांग की। अभाविप ने विशेष रूप से बिरसा कॉलेज, खूंटी में सीटों की कमी का मुद्दा उठाया। संगठन के अनुसार, बिरसा कॉलेज आसपास के ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थी यहां स्नातक में नामांकन के लिए आवेदन करते हैं। मुंडारी सहित जनजातीय भाषा के विषयों में भी विद्यार्थियों की रुचि अधिक है, लेकिन सीमित सीटों के कारण कई विद्यार्थियों को अपनी पसंद के विषय में नामांकन का अवसर नहीं मिल पा रहा है।

प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने कहा कि ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए स्थानीय महाविद्यालय उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि सीटों में कटौती के बजाय विद्यार्थियों की संख्या, आवेदन और स्थानीय जरूरत के अनुसार सीटों में वृद्धि की जानी चाहिए। अभाविप ने राज्यपाल से रांची विश्वविद्यालय के ग्रामीण महाविद्यालयों में सीटों की समीक्षा कर पर्याप्त सीट उपलब्ध कराने तथा बिरसा कॉलेज में जनजातीय भाषा समेत अधिक मांग वाले विषयों में सीट बढ़ाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में प्रांत अध्यक्षा डॉ। मौसमी पॉल, प्रांत संगठन मंत्री पशुपति नाथ उपमन्यु, प्रदेश सह मंत्री मंटू मुर्मू, प्रदेश सह मंत्री अभय वर्मा समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पेड़ से टकराकर घर में घुसा हाइवा, चालक गंभीर

खूंटीः खूंटी-तोरपा मुख्य मार्ग पर कुंजला बाजारटांड़ के समीप गुरुवार की सुबह करीब 5।30 बजे एक नया हाइवा अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हाइवा सड़क किनारे लगे दो बड़े पेड़ों को टक्कर मारने के बाद सुशील टोपनो के घर में जा घुसा। हादसे में घर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि हाइवा का अगला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है। दुर्घटना में हाइवा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा। हादसे के कारण कुछ देर के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। बताया गया कि हादसे के समय घर के आसपास लोगों की मौजूदगी नहीं थी। इस वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना में चालक के अलावा किसी अन्य व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हाइवा के अनियंत्रित होने की बात सामने आ रही है। मामले की विस्तृत जांच के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

ब्रिटिश शासनकाल से संचालित चतरा हेड पोस्ट ऑफिस बदहाली का शिकार

जर्जर भवन में जारी है कामकाज, मुख्य डाकघर में न ग्राहकों के लिए पर्याप्त सुविधा, न ही कर्मचारियों के लिए बेहतर व्यवस्था

11 लाख से अधिक आबादी वाले जिले में विकास के दावों के बीच व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

मेट्रो रेज

चतरा : ब्रिटिश शासनकाल से संचालित चतरा जिले का मुख्य डाकघर यानी हेड पोस्ट ऑफिस आज अपनी बदहाली पर खुद आंसू बहाता नजर आ रहा है। कभी जिले की डाक व्यवस्था की पहचान रहा यह प्रमुख डाकघर वर्तमान समय में मूलभूत सुविधाओं के अभाव और जर्जर व्यवस्था से जूझ रहा है। यहां आने वाले ग्राहकों को जहां कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, वहीं डाकघर में कार्यरत कर्मचारियों के लिए भी पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब जिले का मुख्य डाकघर ही बदहाल है तो ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में संचालित डाकघरों की स्थिति कैसी होगी ? चतरा जिला करीब 3706 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला हुआ है और इसकी आबादी 11 लाख से अधिक है। इतनी बड़ी आबादी को डाक, बैंकिंग, बचत, बीमा और अन्य डाक सेवाएं उपलब्ध कराने वाले जिले के मुख्य डाकघर की मौजूदा स्थिति विकास के दावों पर सवाल खड़े करती है। एक ओर शासन-प्रशासन की ओर से जिले में लगातार आधारभूत संरचनाओं के विकास और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर शहर के महत्वपूर्ण सरकारी संस्थानों में से एक हेड पोस्ट ऑफिस अपनी बदहाल स्थिति से व्यवस्था को आईना दिखाता नजर आ रहा है।

जर्जर भवन में चल रहा कामकाज : मुख्य डाकघर की हालत देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि लंबे समय से भवन के रख-रखाव और आवश्यक मरम्मत पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया है। भवन के विभिन्न हिस्सों में जर्जरता साफ दिखाई देती है। पुराने ढांचे में ही कर्मचारियों को रोजाना काम करना पड़ रहा है और ग्राहकों को भी इसी परिसर में अपनी जरूरत की डाक सेवाओं के लिए पहुंचना पड़ता है। समय के साथ डाक विभाग की सेवाओं का स्वरूप काफी बदल गया है। अब डाकघर महज चिट्ठी-पत्री भेजने तक सीमित नहीं हैं। बचत खाता, डाक जीवन बीमा, पार्सल, स्पीड पोस्ट, आधार से जुड़ी सेवाएं, विभिन्न वित्तीय सेवाएं और कई अन्य सुविधाओं के कारण डाकघरों में लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद चतरा के मुख्य डाकघर में आधुनिक ग्राहक सुविधाओं के अनुरूप आधारभूत व्यवस्था विकसित नहीं हो पाना चिंता का विषय है। ग्राहकों को होती है परेशानी

डाकघर में रोजाना बड़ी संख्या में लोग अपने काम के लिए पहुंचते हैं। बुजुर्ग, महिलाएं, पेंशनधारी, व्यापारी, विद्यार्थी और ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोग भी डाकघर की सेवाओं पर निर्भर हैं। ऐसे में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, स्वच्छ वातावरण, पेयजल, साफ-सफाई और अन्य जरूरी सुविधाओं का होना बेहद आवश्यक है। ग्राहकों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों को आधुनिक स्वरूप देने की बातें तो लगातार होती हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति अलग

नजर आती है। जिस भवन में जिले के हजारों लोगों का कामकाज होता है, वहां यदि मूलभूत सुविधाएं ही पर्याप्त नहीं हों तो आम लोगों की परेशानी का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

कर्मचारियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हालातः सिर्फ ग्राहक ही नहीं, बल्कि डाकघर के कर्मचारी भी मौजूदा व्यवस्था से प्रभावित होते हैं। सीमित और पुरानी आधारभूत संरचना के बीच रोजाना काम करना कर्मचारियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण है। कार्यालय में बेहतर कार्य वातावरण के लिए आवश्यक सुविधाओं और संसाधनों का होना जरूरी है, ताकि कर्मचारियों को सुचारू रूप से काम करने में परेशानी न हो। डाक विभाग देश के सबसे पुराने और व्यापक सरकारी सेवा नेटवर्क में शामिल है। ऐसे में उसके प्रमुख कार्यालय का बेहतर और आधुनिक होना न केवल कर्मचारियों बल्कि आम नागरिकों के हित में भी आवश्यक है।

विकास के दावों को मुंह चिढ़ा रहा डाकघरः चतरा जिले में विकास को लेकर समय-समय पर बड़े-बड़े दावे किए जाते रहे हैं। नई सड़कें, भवन, परियोजनाएं और आधारभूत संरचनाओं के विस्तार की बातें सामने आती रहती हैं। लेकिन शहर के बीचोंबीच स्थित जिले के मुख्य डाकघर की जर्जर स्थिति इन दावों को ही मुंह चिढ़ाती नजर आती है। सवाल यह भी है कि जब जिले के सबसे महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों में शामिल हेड पोस्ट ऑफिस की दशा सुधारने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, तो आम नागरिकों के लिए आधुनिक और सुविधाजनक सरकारी सेवाओं का सपना कितना साकार हो पाएगा ? संरक्षण और आधुनिकीकरण की जरूरतः ब्रिटिश शासनकाल से संचालित होने के कारण चतरा हेड पोस्ट ऑफिस का ऐतिहासिक महत्व भी है। ऐसे पुराने संस्थानों को केवल सरकारी कार्यालय के रूप में नहीं, बल्कि शहर की ऐतिहासिक विरासत के हिस्से के तौर पर भी देखा जाना चाहिए। भवन की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इसके संरक्षण, आवश्यक मरम्मत और आधुनिकीकरण की दिशा में गंभीर पहल की जरूरत है। स्थानीय लोगों की मांग है कि डाक विभाग के वरीय अधिकारी चतरा हेड पोस्ट ऑफिस की स्थिति का निरीक्षण करें और भवन की तकनीकी जांच कराकर आवश्यक मरम्मत अथवा नए भवन के निर्माण की दिशा में ठोस पहल करें। साथ ही ग्राहकों के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

कब बदलेगी तस्वीर ?

चतरा के मुख्य डाकघर की मौजूदा स्थिति को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इसकी तस्वीर कब बदलेगी ? जिले की बड़ी आबादी आज भी डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं का इस्तेमाल करती है। ऐसे में मुख्य डाकघर का जर्जर और अव्यवस्थित रहना केवल एक भवन की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी सेवा व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ा गंभीर विषय है। जरूरत इस बात की है कि संबंधित विभाग और शासन-प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान दें और केवल कागजों पर विकास के दावों के बजाय धरातल पर भी ऐसी तस्वीर पेश करें, जिससे आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। चतरा का ऐतिहासिक हेड पोस्ट ऑफिस भी अब इसी बदलाव का इंतजार कर रहा है।

2009 में हुआ था डाकघर का नवीनीकरण, 17 साल में फिर बदहाल हुई व्यवस्था

चतरा मुख्य डाकघर की मौजूदा बदहाल स्थिति और भी गंभीर इसलिए नजर आती है, क्योंकि इसका नवीनीकरण करीब 17 वर्ष पूर्व प्रोजेक्ट ऐरो के तहत किया गया था। भारत सरकार के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, डाक विभाग के तत्वावधान में डाक सेवाएं झारखंड सर्किल की तत्कालीन निदेशक शशि शालिनी कुजूर द्वारा प्रोजेक्ट ऐरो के अंतर्गत नवीनीकृत चतरा मुख्य डाकघर का लोकार्पण 15 सितंबर 2009 को किया गया था। प्रोजेक्ट ऐरो का उद्देश्य डाकघरों को आधुनिक स्वरूप प्रदान करते हुए ग्राहकों को बेहतर एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराना था। इसी उद्देश्य के तहत चतरा मुख्य डाकघर का भी नवीनीकरण कराया गया था। लेकिन समय बीतने के साथ भवन और व्यवस्था की स्थिति दोबारा बदहाल होती चली गई। वर्ष 2009 में जिस डाकघर को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर बेहतर सेवा व्यवस्था की उम्मीद के साथ नया स्वरूप दिया गया था, आज वही डाकघर रख-रखाव के अभाव और आधारभूत सुविधाओं की कमी से जूझता नजर आ रहा है। इससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि नवीनीकरण के बाद नियमित रख-रखाव और मरम्मत की व्यवस्था आखिर कितनी प्रभावी रही ?

कोयला डस्ट, सड़क जाम और दुर्घटनाओं से मुक्ति को लेकर बालूमाथ बंद

लातेहारः बालुमाथ प्रखंड मुख्यालय गुरूवार को बंद है। शहर की दुकानें बंद हैं और लोग सड़क पर उतर कर कोयला डस्ट, सड़क जाम और लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं से निजात दिलाने की मांग कर रहे हैं। बालुमाथ के व्यावसायिक संघ के आह्वान पर गुरूवार को बालुमाथ में बंद बुलाया गया है। व्यवसायिक संघ ने कहा है कि मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन आंदोलन का प्रारंभ सड़क जाम से किया गया है। बुधवार को व्यवसायियों ने बैठक कर आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया है।

स्थानीय व्यवसायियों का कहना है कि बालूमाथ मुख्य मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में हाईवा एवं अन्य भारी कोयला वाहनों का परिचालन होता है। वाहनों की आवाजाही के दौरान सड़क पर कोयला डस्ट उड़ने से दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय लोगों के साथ साथ स्कूली बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारी वाहनों के कारण आए दिन सड़क जाम की स्थिति उत्पन्न होने और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।व्यावसायिक संघ ने शहर में कोयला परिवहन करने वाली गाड़ियों की नो इंट्री करने, अलग बाइपास बनाने, निर्धारित नियमों के अनुसार वाहनों का परिवहन कराने, सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव कराने, धूल प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने और बालूमाथ बाजार क्षेत्र में भारी वाहनों के परिचालन को नियंत्रित करने की मांग की है।

लगातार बारिश के बीच प्रशासन अलर्ट, डैम व जलस्त्रोतों से दूर रहने की अपील

रामगढ़ : जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए रामगढ़ जिला प्रशासन ने आम लोगों एवं पर्यटकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। लगातार बारिश के कारण पतरातू डैम, भैरवा जलाशय सहित अन्य जलस्त्रोतों में जलस्तर और पानी का बहाव बढ़ने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में अचानक जलप्रवाह बढ़ने से दुर्घटना की आशंका को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

डैम, नदी और तालाब के पास जाने से बचें : प्रशासन ने लोगों से पतरातू डैम, भैरवा जलाशय, नदियों, तालाबों, गहरे जलस्त्रोतों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि पानी का बहाव सामान्य दिखाई देने पर भी जोखिम नहीं लेना चाहिए, क्योंकि बारिश के दौरान जलस्तर और प्रवाह अचानक बढ़ सकता है।

बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील : जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपने बच्चों को डैम, नदी, तालाब और अन्य जलस्त्रोतों के आसपास जाने से रोकने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि बारिश के मौसम में थोड़ी सी लापरवाही गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए लोगों को अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने का निर्देश : लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन ने सभी अंचल अधिकारियों को थाना प्रभारियों और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर रखने का निर्देश दिया है।

आयुर्वेद से आधुनिक फेमिनिन केयर तक, प्राचीन वनस्पतियों के नए उपयोग

सदियों से महिलाएं जीवन के विभिन्न चरणों में स्वास्थ्य और आराम के लिए प्रकृति का सहारा लेती आई हैं। आधुनिक स्किनकेयर, पर्सनल केयर और वेलनेस उत्पादों के आने से बहुत पहले, आयुर्वेद जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियां आराम, स्वच्छता और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए चुनिंदा जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों का उपयोग करती थीं। आज वैज्ञानिक शोध और नवाचार इन प्राचीन सामग्रियों के आधुनिक फेमिनिन केयर में संभावित लाभों को नए सिरे से समझ रहे हैं।

स्किनकेयर और इंटिमेट हाइजीन उत्पादों से लेकर न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट्स और यहां तक कि सैनिटरी पैड्स तक, इन पारंपरिक पौधों से प्रेरणा लेकर ऐसे उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें परंपरा और आधुनिक तकनीक का संयोजन दिखाई देता है।

प्राचीन वनस्पतियां फिर क्यों लोकप्रिय हो रही हैं?

दिल्ली-एनसीआर स्थित वरुण हर्बल क्लिनिक की सीनियर कंसल्टेंट, आयुर्वेद गायनेकोलॉजी, डॉ। मंजू सिंह कहती हैं, ह्आज के उपभोक्ता रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों में मौजूद सामग्री को लेकर पहले से कहीं अधिक जागरूक हैं। वे ऐसे उत्पादों की तलाश करते हैं जो त्वचा के लिए कोमल हों, डमेटोलॉजिकल रूप से परीक्षण किए गए हों, प्राकृतिक सामग्रियों से प्रेरित हों और जिनका पारंपरिक उपयोग लंबे समय से होता आया हो।

बढ़ती मांग के अनुरूप शोधकर्ता भी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में वर्णित औषधीय पौधों के वैज्ञानिक अध्ययन में बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं। वैद्य अच्युत कुमार त्रिपाठी, सदस्य, नेशनल एकेडमी ऑफ आयुर्वेद, मंत्रालय आयुष, कहते हैं, कई वनस्पतियों का उनके एंटीऑक्सीडेंट, त्वचा को आराम देने वाले, मॉइस्चराइजिंग या एंटीमाइक्रोबियल गुणों के लिए अध्ययन किया जा रहा है। बाजार में उपलब्ध नए उत्पादों में आधुनिक फॉर्मूलेशन के साथ चुनिंदा पौधों के अर्क को शामिल किया जाने लगा है।

एलोवेराः त्वचा के आराम के लिए भरोसेमंद सामग्री

एलोवेरा को सदियों से अपने ठंडक देने वाले और मॉइस्चराइजिंग गुणों के लिए महत्व दिया जाता रहा है। आज यह फेस वॉश, शैंपू, बॉडी लोशन, आफ्टर-सन उत्पादों, फेसियल ब्यूटी ऑयल्स, माउथवॉश, इंटिमेट वॉश और फेमकेयर उत्पादों में आमतौर पर पाया जाता है। त्वचा में नमी बनाए रखने में मदद करने की इसकी क्षमता ने इसे दुनिया भर में पर्सनल केयर उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली लोकप्रिय वनस्पति सामग्रियों में शामिल कर दिया है।

मोरिंगाः फेमिनिन केयर में नए उपयोग

मोरिंगा उन बहुउपयोगी वनस्पतियों में शामिल हो गया है, जिन पर वैज्ञानिक समुदाय का ध्यान बढ़ रहा है। आयुर्वेद में पारंपरिक रूप से अपने पोषण संबंधी गुणों के लिए जाना जाने वाला मोरिंगा इसकी पत्तियों में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले विटामिन, खनिज, एंटीऑक्सीडेंट और अन्य पौध-आधारित यौगिकों के लिए भी जाना जाता है, जिनके विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग की संभावनाएं हैं।

डमेटोलॉजिकल रूप से परीक्षण किए गए मोरिंगा-युक्त सैनिटरी पैड फेमिनिन हाइजीन उत्पादों में एक नया चलन बनकर उभरे हैं। इन पैड्स में मोरिंगा को उस परत में शामिल किया जाता है जो सीधे संवेदनशील त्वचा के संपर्क में आती है।

इसके साथ आधुनिक एब्जॉर्बेंट सामग्री और मुलायम टॉप शीट का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ स्किनकेयर उत्पादों में भी कंडीशनिंग गुणों के लिए मोरिंगा एक्सट्रैक्ट शामिल किए जाते हैं।

नीमः रोजमर्रा की स्वच्छता में सहयोग

नीम पीढ़ियों से आयुर्वेदिक परंपराओं का अभिन्न हिस्सा रहा है। आज नीम के अर्क का इस्तेमाल साबुन, शैंपू, ओरल केयर उत्पादों और इंटिमेट हाइजीन फॉर्मूलेशन में आमतौर पर किया जाता है। इसका उपयोग ऐसे पर्सनल केयर उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं की बढ़ती पसंद को दशार्ता है, जिनमें पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक निर्माण मानकों का संयोजन हो।

कैमोमाइलः संवेदनशील त्वचा के लिए कोमल देखभाल

कैमोमाइल अपने त्वचा को शांत करने वाले गुणों के लिए जाना जाता है और अब इसे संवेदनशील या नाजुक त्वचा के लिए बनाए गए उत्पादों में अक्सर शामिल किया जाता है। बेबी केयर लोशन से लेकर फेमिनिन वॉश, इंटिमेट हेयर रिमूवर क्रीम और स्किनकेयर उत्पादों तक, कैमोमाइल कोमल देखभाल के लिए पसंद किया जाता है।

हल्दीः रसोई के मसाले से स्किनकेयर स्टेपल तक

आयुर्वेद में हरिद्रा के नाम से जानी जाने वाली हल्दी का लंबे समय से स्वस्थ त्वचा के साथ संबंध माना जाता रहा है। आधुनिक कॉस्मेटिक उत्पादों में अब हल्दी के अर्क का इस्तेमाल फेस वॉश, क्लींजर, सीरम और क्रीम में किया जाता है, जिन्हें त्वचा को अधिक निखरी और स्वस्थ दिखने में मदद करने के लिए तैयार किया जाता है। इसकी लोकप्रियता यह दशार्ती है कि पारंपरिक सामग्रियां किस तरह आधुनिक स्किनकेयर में अपनी जगह बना सकती हैं।

कुसुम संवेदनशील त्वचा के लिए वनस्पति-आधारित इमोलिएंट

कुसुम को पारंपरिक स्वास्थ्य एवं वेलनेस प्रथाओं में सदियों से महत्व दिया जाता रहा है और आज इसका व्यापक इस्तेमाल आधुनिक स्किनकेयर और पर्सनल केयर फॉर्मूलेशन में किया जाता है। लिनोलिक एसिड और अन्य आवश्यक फैटी एसिड से भरपूर कुसुम का तेल हल्का होता है और त्वचा की प्राकृतिक नमी की परत को बनाए रखने में मदद करता है।

इसके कंडीशनिंग गुणों के कारण इसका इस्तेमाल मॉइस्चराइजर, बॉडी लोशन और क्लींजर में किया जाता है, ताकि त्वचा को मुलायम और स्वस्थ दिखने में मदद मिल सके। इसका इस्तेमाल फेमिनिन और मेंस्ट्रुअल हाइजीन उत्पादों में भी किया जाता है, जहां इसे घर्षण और रैशेज से होने वाली असहजता को शांत करने के लिए उपयोग किया जाता है।

परंपरा और नवाचार का मेलः फेमिनिन केयर में वनस्पतियों का बढ़ता इस्तेमाल उत्पाद विकास के एक व्यापक रुझान को दशार्ता है–सदियों पुराने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक शोध और निर्माण तकनीकों के साथ जोड़ना।

चाहे इंटिमेट वॉश में एलोवेरा हो, आधुनिक सैनिटरी पैड्स में मोरिंगा, संवेदनशील त्वचा की देखभाल में कैमोमाइल या हाइजीन उत्पादों में नीम– ये फॉर्मूलेशन दिखाते हैं कि प्राचीन पौधे आज भी आधुनिक समाधानों के लिए प्रेरणा बन सकते हैं।

जैसे-जैसे औषधीय पौधों पर वैज्ञानिक शोध आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे और भी वनस्पति-आधारित सामग्रियां महिलाओं के पर्सनल केयर में उपयोगी भूमिका पा सकती हैं। हालांकि उत्पादों के विकास और स्वास्थ्य संबंधी दावों की नींव हमेशा वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित होनी चाहिए, लेकिन पारंपरिक ज्ञान भविष्य के नवाचारों के लिए मूल्यवान प्रेरणा प्रदान कर सकता है।

समय-परीक्षित पारंपरिक ज्ञान को जिम्मेदार वैज्ञानिक शोध और उत्पाद नवाचार के साथ जोड़कर निमार्ता आज की महिलाओं की जरूरतों के अनुरूप प्रभावी और सोच-समझकर तैयार किए गए पर्सनल केयर समाधान विकसित कर सकते हैं।

सुबोधकांत सहाय ने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की सुपुत्री की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर जताया शोक

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की सुपुत्री तृषा सिंह के सड़क दुघर्टना में हुए असामयिक निधन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने शोक व्यक्त किया है। श्री सहाय ने कहा कि इस हृदय विदारक घटना ने मर्माहत कर दिया है।

उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति और परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की।

मंत्री दीपिका पांडेय की बेटी के निधन पर डॉ प्रदीप वर्मा ने जताया शोक

रांचीः भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ। प्रदीप कुमार वर्मा ने झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी तृषा सिंह के जमशेदपुर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि तृषा सिंह के असामयिक निधन की खबर अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक है। इतनी कम उम्र में किसी परिवार के सदस्य को खो देना अत्यंत दुखद और अपूरणीय क्षति है। इस कठिन और दुःख की घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह एवं उनके पूरे परिवार के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि संतान को खोने का दुःख शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस असीम पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत तृषा सिंह की आत्मा को शांति प्रदान करें।

डॉ वर्मा ने सड़क हादसे में जान गंवाने वाले अन्य लोगों के परिजनों के प्रति भी अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

कडरू जेएसएफसी गोदाम में मजदूरों ने ठप किया अनलोडिंग कार्य, खड़े रहे अनाज लदे ट्रक

बकाया भुगतान की मांग कर रहे है मजदूर

संवाददाता

रांचीः कडरू स्थित झारखंड राज्य खाद्य निगम (जेएसएफसी) गोदाम में कार्यरत मजदूरों ने तीन महीने का बकाया भुगतान नहीं मिलने पर गुरुवार को अनलोडिंग का काम पूरी तरह ठप कर दिया। इसके कारण एफसीआई गोदाम से अनाज लेकर पहुंचे ट्रक खाली नहीं हो सके और अनाज गाड़ियों में ही फंसा रहा।

लेबर सरदार अरुण कुमार ने बताया कि कुश पटेल एजेंसी की ओर से जुलाई माह से मजदूरों को पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जा रहा है। तीन महीने से भुगतान लंबित होने के कारण मजदूरों में आक्रोश है। मजदूरों ने जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान करने की मांग की है।

नई व्यवस्था से रोजगार पर संकट की चिंताः मजदूरों का कहना है कि खाद्य आपूर्ति विभाग की नई व्यवस्था के तहत नवंबर से एफसीआई गोदाम से सीधे पीडीएस डीलरों तक अनाज पहुंचाने का नियम लागू होने जा रहा है। इससे स्थानीय मजदूरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा होने की आशंका है। मजदूरों ने कहा कि यदि अनलोडिंग का काम बंद होता है, तो उनके सामने बेरोजगारी और आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

अन्य लोडिंग-अनलोडिंग कार्य जारीः हालांकि, एफसीआई गोदाम से पीडीएस डीलरों के लिए होने वाली लोडिंग-अनलोडिंग का अन्य कार्य जारी है। मजदूरों ने बकाया भुगतान के साथ भविष्य में रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांगी अनुमति

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ब्रजेश सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की अनुमति मांगी है। इसे लेकर उन्होंने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी को पत्र लिखा है । पत्र में कोर्ट ऑफ कंटेम्प्ट एक्ट, 1971 की धारा 15(1)(बी) और धारा 2(सी) का हवाला दिया गया है । सुप्रीम कोर्ट में किसी के खिलाफ आपराधिक अवमानना याचिका दायर करने से पहले अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल की लिखित अनुमति जरूरी होती है ।

अधिवक्ता ब्रजेश सिंह ने आरोप लगाया है कि ज्ञानेश कुमार ने सुप्रीम कोर्ट के उन फैसलों की जानबूझकर अवहेलना की है जो चुनाव आयोग के कामकाज को तय करते हैं. खासकर टी.एन. शेषन बनाम भारत संघ और अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ के फैसलों का ।

फैसलों के मुताबिक क्या गलत : चुनाव आयोग एक बहु-सदस्यीय संवैधानिक संस्था है । मुख्य चुनाव आयुक्त प्राइमस इंटर पारेस (समानों में प्रथम) हैं, पूर्ण शासक नहीं

आयोग के फैसले पूरे आयोग के होते हैं, सिर्फ अध्यक्ष के नहीं.

सीईसी को संस्था से बड़ा नहीं बनाया जा सकता : अधिवक्ता का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने आयोग को एक व्यक्ति की तानाशाही में बदल दिया है. इससे संस्था की गरिमा घटी और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव का सिद्धांत प्रभावित हुआ, जो संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना जाता है।

उल्लेखनीय है 23 सितंबर 2026 को अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई।

किन बिंदुओं पर आपत्तियां : रिपोर्ट के मुताबिक दोनों आयुक्तों का आरोप था कि ये कदम उनकी जानकारी या पूरे आयोग की मंजूरी के बिना अनधिकृत और गैरकानूनी तरीके से लिए गए. हालांकि चुनाव आयोग की तरफ से सफाई दी गई कि अंतिम फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से लिए जाते हैं और तीनों आयुक्तों के हस्ताक्षर होते हैं।

बृजेश गंझू की मौत के बाद नक्सली संगठन ने किया बंद का ऐलान, राज्य के सात जिलों में तीन दिन अलर्ट

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड में सक्रिय प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) ने राज्य के सात प्रमुख जिलों में आज से तीन दिनों की बंदी का ऐलान किया है। यह बंद 24 सितंबर से शुरू होकर 26 सितंबर की रात तक जारी रहेगा। वाराणसी में उत्तर प्रदेश एंटी टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) के साथ हुई मुठभेड़ में 30 लाख रुपये के इनामी नक्सली और टीएसपीसीह के शीर्ष कमांडर बृजेश गंझू उर्फ अमरजीत जी की मौत हो गई थी। ऐसे में उग्रवादी संगठन ने इस पुलिसिया कार्रवाई का पुरजोर विरोध करते हुए इसे फर्जी मुठभेड़ करार दिया है। संगठन की और पलामू सीमान्त जोनल कमिटी तथा जोनल कमांडर नथुनी एवं मंदीप के नाम से जारी आधिकारिक लेटरपैड व पर्चों में इस तीन दिवसीय बंद का ऐलान किया गया।

मुठभेड़ पर संगठन ने उठाए सवाल : संगठन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया गया है कि पुलिस ने बृजेश गंझू को केरेडारी और चतरा के बीच स्थित वन क्षेत्र से काफी पहले ही हिरासत में ले लिया था, जिसके बाद वाराणसी में ले जाकर इस मुठभेड़ की मनगढ़ंत कहानी रची गई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों और संबंधित राज्य की पुलिस ने उग्रवादियों के इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस का कहना है कि बृजेश गंझू एक दुर्दांत नक्सली था, जो कई बड़े मामलों में वांछित था और उसे आत्मसमर्पण करने का मौका दिया गया था, लेकिन फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया।

सुरक्षा व्यवस्था सख्त, पुलिस अलर्ट मोड परः नक्सली संगठन द्वारा सात जिलों में बंद की घोषणा के बाद झारखंड पुलिस महकमा और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई है। प्रभावित जिलों के पुलिस कप्तानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने और संवेदनशील इलाकों में गश्त तेज करने के निर्देश जारी किए गए हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों, सरकारी संपत्तियों, रेलवे पटरियों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों की तैनाती की जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना या तोड़फोड़ को रोका जा सके।

पुलिस अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच दैनिक जनजीवन को सामान्य रखने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था को हाथ में लेने वाले तत्वों से बेहद सख्ती से निपटा जाएगा।

एनपीएस के विरोध में रिम्स के अराजपत्रित कर्मचारी का आंदोलन शुरू, ओपीएस लागू करने की कर रहे मांग

संवाददाता

रांचीः एनपीएस (नई पेंशन योजना) के विरोध में रिम्स के अराजपत्रित कर्मचारियों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। रिम्स अराजपत्रित कर्मचारी संघ ने राज्य सरकार के कर्मचारियों की तर्ज पर रिम्स के अराजपत्रित कर्मचारियों को भी एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में शामिल करने की मांग की है। संघ ने इस संबंध में रिम्स निदेशक को पत्र देकर आंदोलन की जानकारी दी है।

चार वर्षों से लंबित है ओपीएस का मामलाः संघ के अनुसार, ओपीएस लागू करने की मांग को लेकर पूर्व में कई बार आवेदन दिया जा चुका है। रिम्स शासी परिषद की बैठकों में भी इस संबंध में निर्णय लिये जाने के बावजूद करीब चार वर्षों से मामला लंबित है। संघ का कहना है कि मामले में हो रही देरी के दौरान कई कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि कुछ कर्मचारियों की मृत्यु भी हो चुकी है। 24 से 28 सितंबर तक काला बिल्ला लगाकर करेंगे कामः संघ की ओर से घोषित आंदोलन कार्यक्रम के तहत 24 से 28 सितंबर तक कर्मचारी काला बिल्ला लगाकर काम करेंगे। इसके बाद 29 सितंबर को रिम्स प्रशासनिक भवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संघ ने कहा है कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।

उत्पाद विभाग ने झारखंड पुलिस से मांगा 26 साल में जब्त शराब का हिसाब

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के उत्पाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने झारखंड पुलिस से जब्त शराब का हिसाब मांगा है। उन्होंने राज्य के सभी 24 जिलों के एसपी को पत्र लिखकर कहा है कि पिछले 26 साल में पुलिस ने जितनी भी शराब जब्त की, उसका हिसाब दें। ताकि जब्त शराब को रिकॉर्ड में लाया जा सके। अभी विभाग के पास जब्त शराब को लेकर कोई भी रिकॉर्ड नहीं है।

उत्पाद विभाग द्वारा सभी जिलों के एसपी को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि जब्त शराब को लेकर एक समेकित रिपोर्ट भेजें। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख हो कि किस थाना की पुलिस ने किस तारीख व साल में किस ब्रांड की कितनी शराब की जब्ती की। जब्त शराब अभी कहां पर है। शराब जब्ती को लेकर पुलिस ने जो प्राथमिकी दर्ज की, जिन लोगों को गिरफ्तार किया, उस प्राथमिकी और आरोपी के बारे में भी जानकारी दें।

उत्पाद विभाग को इस बात की चिंता है कि थानों की पुलिस जहरीली शराब जब्त करती है, ऐसी जहरीली शराब को समय पर नष्ट किया जाना जरूरी है। इसके साथ ही कई तरह के शराब लंबे समय तक पड़े रहने की वजह से भी जहरीली हो जाती है।

कोयला कारोबारी कुंभनाथ सिंह की पत्नी से पूछताछ जारी

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनबाद के कोयला कारोबारी कुंभनाथ सिंह की पत्नी गया देवी से पूछताछ शुरू कर दी है। ईडी द्वारा जारी किये गये चौथे समन के बाद वह 24 सितंबर को ईडी के रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यलय पहुंची। आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ईडी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। कोयला घोटाले की जांच के दौरान ईडी ने चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह के पारिवारिक सदस्यों से पूछताछ शुरू की है। ईडी ने दूसरे चरण की छापेमारी के दौरान 160 करोड़ के निवेश को फ्रीज किया था। साथ ही 200 से अधिक अचल संपत्ति से संबंधित दस्तावेज जब्त किये गये थे। अचल संपत्ति और अन्य दस्तावेज की जांच पड़ताल के बाद ईडी ने मामले में पूछताछ शुरू की थी। इस मामले में अब तक एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह, साले रंजीत सिंह, भाई विश्व विजय सिंह सहित अन्य से पूछताछ हो चुकी है।

लगातार बारिश के कारण रांची के वाटर फॉल्स उफान पर, जिला प्रशासन ने जारी किया सुरक्षा अलर्ट

संवाददाता

रांचीः लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जिले के जलप्रपात उफान पर हैं। जिसमें जोन्हा, हुंडरू, दशम फॉल, सीता फॉल, रिमिक्स फॉल समेत अन्य जलप्रपातों और डैम में जलस्तर बढ़ गया है। खतरा को देखते हुए जिला प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है।

जिला जनसंपर्क कार्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि जलप्रपातों में पानी की तेज धार और अचानक जलस्तर बढ़ने की आशंका के कारण आसपास का क्षेत्र बेहद जोखिम भरा है। तेज बहाव, फिसलन भरी चट्टानें और अचानक बढ़ती जलधारा गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। जिला प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों से जलप्रपातों के आसपास जाने से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि प्रकृति का आनंद सुरक्षित दूरी से ही लिया जाए और किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाया जाए। प्रशासन ने बारिश के दौरान डैम में बोटिंग नहीं करने की सलाह दी है।साथ ही नशे की हालत में जलप्रपात घूमने या बोटिंग करने से पूरी तरह बचने को कहा गया है।

पर्यटकों से स्थानीय प्रशासन और पुलिस के निदेशों का पालन करने और पर्यटन विभाग के दिशा-निदेशों को मानने की अपील की गई है। प्रशासन ने पर्यटक मित्रों की ओर से दिए जा रहे सुरक्षा निदेशों को गंभीरता से लेने को भी कहा है।

जिला प्रशासन ने लोगों से मौसम की स्थिति और जलप्रपातों से संबंधित स्थानीय समाचारों व प्रशासनिक सूचनाओं पर नजर रखने की अपील की है। प्रशासन ने कहा कि नागरिकों और पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जलप्रपातों में उफान के दौरान रोमांच के लिए जोखिम न उठाएं। तेज बहाव और फिसलन वाली चट्टानों से दूरी बनाए रखें और परिवार के साथ सुरक्षित स्थान से ही प्राकृतिक नजारों का आनंद लें।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अध्ययन व चिन्तन की इच्छाशक्ति कमजोर तो नहीं हो रही ?

बुद्धि कृत्रिम नहीं होती। संसार से हमारे परिचय की मध्यस्थता इन्द्रियबोध द्वारा होती है। हम देखते हैं। हम कान से सुनते हैं। त्वचा से स्पर्श करते हैं। नाक से सुगंध या गंध का अनुभव करते हैं। जिह्वा से स्वाद का अनुभव होता है। रूप, रस, गंध का बोध क्या वास्तविक बुद्धिमत्ता है। जबतक इन्द्रियबोध से प्राप्त सूचनाएं उपयोग में आती रहेंगी, उन्हें वास्तविक माना जाएगा। मोटे तौर पर इन सूचनाओं को वास्तविक बुद्धि या यथार्थ बुद्धि माना जाएगा। इससे परे तकनीकी के माध्यम से प्राप्त सूचना कृत्रिम बुद्धि या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कहा जा रहा है। वास्तविक बुद्धि की कोई परिभाषा नहीं है। हम आँख से देखते हैं। यह वास्तविक बुद्धि है। हम किसी उपकरण का सहारा लेकर आंख की क्षमता बढ़ा सकते हैं। क्या देखने में सहायक इस उपकरण और तकनीकी को कृत्रिम मेधा कहेंगे। कृत्रिम मेधा आखिरकार है क्या? ब्रह्माण्ड बड़ा है। जिज्ञासु इस ब्रह्माण्ड के रहस्य जानने को इच्छुक हैं। आदिम काल से लेकर अब तक ब्रह्माण्ड के रहस्यों के प्रति सतत जिज्ञासा है। अभी बहुत कुछ जानना जिज्ञासा की परिधि में है। पृथ्वी आदि ग्रहों की गति क्षमता जान ली गई है। सोचने के वैज्ञानिक दृष्टिकोण का काफी विकास हो चुका है। ब्रह्माण्ड के रहस्यों का ज्ञान मानव कल्याण के लिए उपयोगी है। अध्ययन की पारम्परिक शैली अपनी ज्ञान यात्रा में कालवाह्य होने के करीब है। हम अपनी बुद्धिमत्ता को और गहरा करने के लिए सक्रिय हैं। मनुष्य हजारों वर्ष से अमृत्व की खोज में है। सौ वर्षों से ज्यादा जीने की अभिलाषा सर्वविदित है। रोबोट मनुष्य की तरह काम करता है लेकिन मनुष्य की तुलना में ज्यादा मजबूत, ज्यादा शक्तिशाली है। मनुष्य की तुलना में रोबोट में कमियां भी हैं। वह शक्तिशाली है लेकिन प्यार नहीं कर सकता। इंटेलिजेंट कोशेंट है लेकिन इमोशनल कोशेंट बिल्कुल भी नहीं। काम करने से प्रत्येक मनुष्य दूर रहना चाहता है। लेकिन बड़े-बड़े सपने देखता है। एआई या कृत्रिम मेधा की उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता। उसके गर्भ में अनंत सूचनाएं हैं। इन सूचनाओं का आधार है। वे निराधार नहीं हैं। बेशक वे किसी अन्य स्रोत से प्राप्त की गई हैं। उन सूचनाओं की उपयोगिता है। मनुष्य जीवन का कल्याण ही मनुष्य के सारे प्रयासों का लक्ष्य है। इसलिए एआई की उपयोगिता को सहज मन से थोड़ा झिझकते हुए स्वीकार करना चाहिए। जीवन को सुखद बनाने में सूचनाओं का उपयोग है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है। भारतीय ज्ञान परम्परा में ज्ञान को सामान्य सूचना नहीं माना गया। दुनिया के सबसे प्राचीन ज्ञान का संग्रह वेद कहलाता है। वेद का अर्थ ज्ञान है। वेद से अभिप्राय ब्रह्म सत्ता के आत्मदर्शन से है। उपनिषदों में ज्ञान को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहले का नाम विद्या है और दूसरे का नाम अविद्या है। सारी सांसारिक जानकारियों को अविद्या कहा गया है। अविद्या का अर्थ झूठ नहीं है। सारे सांसारिक विषय, सारे शास्त्र, पुराण, विज्ञान और वेद भी अविद्या बताए गए हैं। अविद्या के परे आत्मतत्व आता है। आत्मतत्व का ज्ञान ही वास्तविक बोध है। लेकिन आत्मतत्व को उपलब्ध होना बहुत कठिन बताया गया है। कठोपनिषद में बताया है कि, ह्वयह आत्मतत्व प्रवचन सुनकर नहीं मिलता। बहुत सुनकर भी यह आत्मतत्व नहीं मिलता। सम्प्रति भारत में कथा और वार्ता का वातावरण है। महंगे प्रवचन है। श्रद्धालुओं की भीड़ है। लेकिन कठोपनिषद का ऋषि कहता है, ह्वनायेनात्मा प्रवचनेन लभ्यो न बहुना श्रुतेन।ह्व ऋषि आगे कहता है, ह्वन मेधया-यह मेधा से भी नहीं मिलता।ह्व मेधा की बात ध्यान देने योग्य है। कृत्रिम मेधा अथवा वास्तविक मेधा से भी ज्ञान नहीं मिलता। कैसे मिलता है? ऋषि कहते हैं, ह्वआत्मदर्शन से मिलता है।

भारत का आधुनिक काल तमाम तनाव और आपाधापी से गुजर रहा है। सूचना का विस्फोट काफी पहले ही हो चुका है। एआई ने सूचनाओं की नई दुनिया गढ़ी है। कृत्रिम मेधा के युग में लिखने, विश्लेषण करने और अनेक प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों में मशीनों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। वास्तविक चुनौती केवल यह नहीं है कि तकनीक हमारा काम आसान कर रही है चुनौती यह भी है कि कहीं सुविधा की अधिकता हमारे मौलिक चिन्तन व हमारी अध्ययन प्रवृत्ति को कमजोर तो नहीं कर रही। देखना यह चाहिए कि अध्ययन और चिन्तन की स्वाभाविक इच्छाशक्ति कमजोर तो नहीं हो रही है। पुस्तकों से हमारा रिश्ता आत्मीय रहा है। पढ़ना-लिखना गहन अध्ययन करना इस देश की प्रकृति रही है। इसी आधार पर एक लोकमंगलकारी संस्कृति का विकास हुआ है। खतरा ये है कि हम पठन-पाठन से दूर हो रहे हैं। बहुत से सुयोग्य मित्र डींग हांकते हैं कि वे अखबार नहीं पढ़ते। यह भी कि वे किताब नहीं पढ़ते। वे पूरी शान से बताते हैं कि वे मोबाइल इंटरनेट से सूचनाएं प्राप्त कर लेते हैं। वे यह नहीं बताते कि अखबार या पुस्तकें पढ़ने या न पढ़ने का काम कौन करता है। दरअसल, तकनीकी तमाम सुविधाओं के साथ तमाम कठिनाइयाँ भी लाती है। एआई द्वारा पेश की गई तकनीकी में भी तमाम अड़चनें हैं। पारिवारिक नेह स्नेह के बंधन भी टूट रहे हैं। किसी व्यक्ति या दृश्य को विकृत रूप में दिखाना रोज का तमाशा बन गया है। फोटो को वास्तविक साक्ष्य मानने में दिक्कतें आ रही हैं। राष्ट्रजीवन के सभी अंगों पर कृत्रिम मेधा का प्रभाव पड़ रहा है। साहित्य भी प्रभावित हुआ है। मशीनें सृजन नहीं कर सकतीं लेकिन एआई रेडीमेड कविता लेकर आपके सामने ह्वजी सरह्व कह रही है। मौलिक चिन्तन और दर्शन पर इसके प्रभाव स्वाभाविक हैं। सच्चना मनुष्य की प्रकृति है। पशु-पक्षी भी संभवतः सोचते होंगे। नई तकनीकी ने मनुष्य के सोचने की क्षमता को घटाया है। हमारा सोचना, हंसना, बोलना भाववाची नहीं रहा। साहित्य शब्दों का रेडीमेड संयोजन नहीं होता। मशीन हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्ति नहीं दे सकती। यह जीवन संघर्ष के आनंद को भी अभिव्यक्त करने में सक्षम नहीं हैं। तकनीकी संवेदनशीलता का विकल्प नहीं हो सकती। जिज्ञासा मनुष्य चिन्तन की श्रेष्ठतम उपलब्धि है। तकनीकी जिज्ञासु नहीं होती। पुस्तक संस्कृति पर खतरा है। पुस्तकें हमारी मार्गदर्शक मित्र और आत्मीय की भूमिका निभाती हैं। तकनीकी पुस्तक का विकल्प नहीं हो सकती। सूचनाओं के साथ स्वाध्याय भी जरूरी है। गंभीर पठन एक विशेष प्रकार का एकांत देता है। ऐसा एकांत, जिसमें वह लेखक के विचारों के साथ संवाद करता है। प्रश्न उठाता है और धीरे-धीरे अपने भीतर उतरता है। इसके विपरीत, छोटे-छोटे दृश्य और संदेशों के अंतहीन संसार में मस्तिष्क लगातार एक सूचना से दूसरी सूचना की ओर दौड़ता रहता है। इंटरनेट ने हमें गति अवश्य दी है लेकिन गहराई के लिए आवश्यक धैर्य का अभ्यास कठिन बना दिया है। गहन पठन मनुष्य को ठहरना, विचार करना और किसी विषय को उसके मूल तक समझना सिखाता है। हम सब समग्रता में सोचें।

हनुमान अंश की अपार सफलता और भारतीय सिनेमा का नया परिदृश्य

फिल्म के प्रति आम जनमानस में इतना उत्साह है कि एक लंबे अंतराल के बाद कोई फिल्म 5वां सप्ताह छू सकी है। देश के अनेकानेक सिनेमाघरों में हनुमान अंश अभी भी हाउसफुल चल रही है तथा अनेक सिनेप्रेमी फिल्म देखने के लिए कतार में लगे हैं। बॉलीवुड के इतिहास में लंबे अंतराल के बाद कोई ऐसी फिल्म आई है जिसके विषय में हर कोई बात कर रहा है

मृत्युंजय

निर्मार्ता-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी की आध्यात्मिक संत बाबा नीब करौली के जीवन पर बनी फिल्म हनुमान अंश सफलता के नये आयाम छू रही है। फिल्म के प्रति आम जनमानस में इतना उत्साह है कि एक लंबे अंतराल के बाद कोई फिल्म 5वां सप्ताह छू सकी है। देश के अनेकानेक सिनेमाघरों में हनुमान अंश अभी भी हाउसफुल चल रही है तथा अनेक सिनेप्रेमी फिल्म देखने के लिए कतार में लगे हैं। बॉलीवुड के इतिहास में लंबे अंतराल के बाद कोई ऐसी फिल्म आई है जिसके

विषय में हर कोई बात कर रहा है हर जगह बात हो रही है। हनुमान अंश ने सिनेमा जगत के कई मिथकों को ध्वस्त कर दिया है। हनुमान अंश की सफलता से यह बात स्पष्ट हो गई है कि भारत का जनमानस बॉलीवुड सिनेमा की गंदगी व बेसिरपैर की कहानियों से ऊब चुका है तथा कुछ अच्छा देखना चाहता है। हनुमान अंश ने अपनी लोकप्रियता के माध्यम से फिल्मों की सफलता के लिए लंबी रेखा खींच दी है। फिल्म के सफलता के लिए किसी बड़े नायक-नायिका, हिंसा और अश्लीलता परोसने वाला फामूर्ला टूट गया है। हनुमान अंश की सफलता सिर्फ करोड़ों की कमाई तक ही सीमित नहीं है। फिल्म की शुरूआत बहुत छोटी थी, न बड़े स्टार का सहारा था, न हजारों स्क्रीन और न ही सुनियोजित प्रचार फिर भी मात्र दो करोड़ में बनी हनुमान अंश ने करोड़ों की कमाई वाली फिल्मों के क्लब में स्थान बना लिया। जिस फिल्म के निमार्ताओं ने स्वयं कोई प्रचार नहीं किया उसका प्रचार सोशल मीडिया पर उसके दर्शक कर रहे हैं। बॉलीवुड के बड़े-बड़े दिग्गज फिल्म की सफलता को लेकर हैरान हो रहे हैं। हनुमान अंश की यात्राः बिना किसी भारी-भरकम प्रचार और मात्र 2 करोड़ के बजट से बनी यह फिल्म केवल 3 से 25 सिनेमाघरों में घिसट-घिसट कर शुरू हुई थी और आज देश के 1200 से 1500 स्क्रीन और रोजआना 5,000 से 9,000 शो तक जा पहुंची है। एक अनुमान के अनुसार प्रदर्शन के 40वें दिन तक एक करोड़ लोग इस फिल्म को देख चुके हैं तथा इतने ही लोग अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। फिल्म की सफलता का यह आलम है कि अब नीब करौली बाबा से जुड़े सभी स्थलों का पर्यटन की दृष्टि से विकास किया जा रहा है तथा बाबा के कैंचीधाम में भी भक्तों व पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। उत्तराखंड व छत्तीसगढ़ में हनुमान अंश को टैक्स फ्री कर दिया गया है। पहले बॉलीवुड में 10 साल की बड़ी हिट फिल्मों में दंगल, धुरंधर, एनिमल, पठान, छावा, कंतारा, धारा 370 पर बनी फिल्मों के नाम लेते थे किंतु इस एक फिल्म ने इस लिस्ट को सदा-सदा के लिए बदल दिया है । कई स्थानों पर हनुमान अंश के दर्शक भगवा वस्त्र व महिलाएं साड़ी पहन कर नंगे पांव जा रही हैं, कई जगह सिनेमा हॉल मंदिर में परिवर्तित हो गए हैं जहां हनुमान चालीसा का पाठ तथा फिल्म के समापन के बाद हनुमान चालीसा व प्रसाद का वितरण हो रहा है। बहुत दिनों बाद दर्शकों को ऐसी फिल्म देखने को मिली है जो परिवर के साथ बैठकर देखी जा सकती है। हनुमान अंश की कहानी हनुमानभक्त बाबा नीब करौली के जीवन प्रसंगों पर आधारित है। फिल्म में नये कलाकार हैं ,जिनकी कभी कहीं चर्चा नहीं हुई फिर भी फिल्म में कहीं कोई ऊबासी का क्षण नहीं आया। हनुमान अंश मनोरंजक, ज्ञानवर्धक व नये आध्यात्मिक विचारों को जन्म देने वाली फिल्म है। फिल्म की सफलता का सबसे बड़ा कारण यह है कि आज घरों में इस प्रकार के आध्यात्मिक चमत्कारों पर कोई चर्चा नहीं होती और सभी के लिए इसमें नयापन है। अभीतक लोग केवल महात्मा गांधी के विषय में जानते थे कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका में भारतीय होने के नाते ट्रेन से नीचे फेंक दिया गया था किंतु इस फिल्म के माध्यम से दर्शकों को पता चल रहा है कि ऐसी ही एक घटना बाबा नीब करौरी के साथ भी घटित हुई थी। जब बाबा एक ट्रेन के एसी डिब्बे में चढ़ गए थे और अपने सहयोगी के साथ भजन गा रहे थे। वह डिब्बा अंग्रेज अफसरों के लिए था। ट्रेन में सफर कर रहे अंग्रेज अफसर को यह बात नागवार गुजरी और उसने जबरदस्ती ट्रेन रुकवा कर बाबा को उतरवा दिया जिसके बाद वह ट्रेन आगे बढ़ ही नहीं सकी। बाद में बाबा को मनाया गया और उन्हें वापस ट्रेन पर बिठाया गया तब ट्रेन दोबारा चल सकी। बाबा नीब करौली की भूमिका निभाने वाले शोभिनव सत्य व फिल्म में बाबा की पत्नी की भूमिका निभाने वाली पूर्णिमा तिवारी ने अद्भुत अभिनय किया है। लखनऊ रंगमंच के बड़े चेहरे अनिल रस्तोगी ने भी अपनी भूमिका के साथ न्याय किया है । बाबा के पिता बने लखनऊ के सामान्य से दिखने वाले रंगमंच कलाकार आजाद मिश्रा अपनी छोटी भूमिका में भी अत्यंत प्रभावशाली रहे हैं। हनुमान अंश की सफलता में संगीतकार धीरेंद्र मुलकलवार की मेहनत रंग लाई है। उन्हें कई बार असफलता का सामना करना पड़ा किंतु इस फिल्म ने उनका भाग्य चमका दिया है। फिल्म के नेत्रहीन गायक सुनील लोधी के भजन आज घर-घर में गाए जा रहे हैं। नेत्रहीन सुनील लोधी ट्रेनों में ही भजन गाया करते थे, हनुमान अंश की सफलता से उनके भी अच्छे दिन आ गए हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें बुलाकर सम्मानित किया है तथा उनके नेत्रों का सर्वश्रेष्ठ उपचार कराने की घोषणा की है। हनुमान अंश की सफलता से गदगद फिल्म की दूसरी निमार्ता और सहयोगी अनुप्रिया नागर ने कैंचीधाम जाकर बाबा का आशीर्वाद लिया। आज हर कोई ह्वमैंने तेरे ही भरोसे हनुमानह्व गाकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त कर रहा है। अनुप्रिया नागर फिल्म बनाने से पहले प्रेमानंद महाराज से भी मिलने गई थीं। मुंबई में जन्मीं अनुप्रिया ने ब्रिटेन में पढ़ाई की है वो अर्थशास्त्री, कलाकार और फिल्म प्रोड्यूसर हैं। हनुमान अंश ने सिद्ध कर दिया है कि फिल्म की सफलता के लिए हिंसा और अश्लीलता का मसाला, बड़े चेहरे और वीएफएक्स की नहीं बल्कि अच्छी कहानी और सही तरीके से उसे दिखाने की भावना ही काफी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विदेशी नेस्ले का भारतीय उपभोक्ताओं के साथ धोखा

यह कानूनी कार्रवाई देश के उन मासूम नवजातों की सेहत से जुड़ी है, जो खुद बोलकर अपनी तकलीफ बयां नहीं कर सकते। वस्तुतः यह उस लंबी फेहरिस्त की एक और कड़ी है, जो समय-समय पर यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या भारत जैसे विशाल विकासशील देश को बहुराष्ट्रीय कंपनियां सिर्फ एक बड़ा 'मुनाफा कमाने का बाजार' मानती हैं?

डॉ. मयंक

भारतीय खाद्य सुरक्षा नियामक ने देश के सबसे बड़े और बहुराष्ट्रीय ब्रांड्स में से एक, नेस्ले इंडिया लिमिटेड के खिलाफ शिशु पोषण उत्पादों में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर तीन अलग मामले दर्ज किए हैं। यह कानूनी कार्रवाई देश के उन मासूम नवजातों की सेहत से जुड़ी है, जो खुद बोलकर अपनी तकलीफ बयां नहीं कर सकते। वस्तुतः यह उस लंबी फेहरिस्त की एक और कड़ी है, जो समय-समय पर यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या भारत जैसे विशाल विकासशील देश को बहुराष्ट्रीय कंपनियां सिर्फ एक बड़ा 'मुनाफा कमाने का बाजार' मानती हैं? 1912 से शुरू हुई ये कंपनी 114 साल से अधिक लंबी यात्रा में आज ?23,194.95 करोड़ से अधिक का वार्षिक टर्नओवर पर जा पहुंची है। नेस्ले के व्यापारिक सफर की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई यह है कि वह विकसित यूरोपीय देशों के नागरिकों के लिए उच्च स्वास्थ्य मानक रखती है, जबकि भारत जैसे विकासशील देशों के उपभोक्ताओं के लिए बिल्कुल अलग और हानिकारक नीति अपनाती है। एक स्विस खोजी एनजीओ की रिपोर्ट में यह पहले ही खुलासा हो चुका है कि नेस्ले अपने सबसे प्रसिद्ध शिशु आहार ब्रांड 'सेरेलैक' के निर्माण में दोहरी नीति अपनाता है। कंपनी जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और स्विट्जरलैंड जैसे अमीर यूरोपीय देशों में जो सेरेलैक बेचती है, उसमें ऊपर से एक ग्राम भी अतिरिक्त चीनी नहीं मिलाई जाती। इसके विपरीत, वही सेरेलैक जब भारत के माता-पिता अपने छह महीने के मासूम बच्चे के लिए खरीदते हैं, तो उसमें प्रति सर्विंग 2.7 ग्राम से तीन ग्राम तक अतिरिक्त रिफाइंड चीनी छिपी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइंस कहती हैं कि शिशुओं को दो साल की उम्र तक किसी भी तरह की अतिरिक्त चीनी नहीं दी जानी चाहिए। नेस्ले ने भारतीय बच्चों के स्वाद ग्रंथियों को जानबूझकर चीनी का आदी बनाया ताकि उनके उत्पाद की बिक्री लगातार बढ़ती रहे, भले ही इसके परिणामस्वरूप बच्चों में बचपन का मोटापा, दांतों की सड़न और भविष्य में डायबिटीज का खतरा पैदा हो जाए। यानी कि आज भारत में जिन बच्चों के दांत खराब हो रहे हैं, आप मान सकते हैं कि इसके लिए कहीं न कहीं ये एवं इस जैसी अन्य कंपनियां जिम्मेदार हैं।

भ्रामक मार्केटिंग और ममता का बाजारीकरण भारत का कानून इन्फेंट मिल्क सब्स्टीट्यूट्स (आईएमएस) एक्ट, 1992 और एफएसएसएआई रेगुलेशन, 2020 नवजात शिशुओं के फॉमूर्ला मिल्क के किसी भी प्रकार के व्यावसायिक विज्ञापन या उसे स्तनपान से बेहतर बताने वाले दावों पर पूरी तरह रोक लगाता है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि मां का दूध ही शिशु के लिए सर्वोत्तम है। इसके बावजूद, नेस्ले इंडिया ने भारतीय उपभोक्ताओं को गुमराह करने के लिए भ्रामक विज्ञापनों का सहारा लिया। कंपनी ने अपने नैन एक्सेला प्रो स्टेज-1 उत्पाद पर ह्य5 एचएमओह्व और 'व्हे प्रोटीन' के बड़े-बड़े दावे करके माताओं को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की कि यह डिब्बाबंद दूध मां के प्राकृतिक दूध जैसा ही शक्तिशाली है। इसी तरह, लैक्टोजन प्रो-1के प्रचार में गैर-प्रमाणित रूप से लिखा गया कि इसका व्हे प्रोटीन ₹पचने में बेहद आसान₹ होता है. एक मां अपने बच्चे के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छी चीज खरीदना चाहती है, किंतु नेस्ले ने अपनी भारी-भरकम और भ्रामक वैज्ञानिक शब्दावली के जरिए भारतीय माताओं के मन में यह भ्रम पैदा किया, जोकि पूरी तरह से गैर-कानूनी प्रचार स्टंट और उपभोक्ता अधिकारों का हनन है।

पोषक तत्वों में कटौती और गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ जब बात बच्चों या आम जनता के भोजन की हो तो शुद्धता के मानकों पर 100 फीसद खरा उतरना अनिवार्य है लेकिन नेस्ले इंडिया का ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि उसने कई मौकों पर भारतीय मानकों को हल्के में लिया। एफएसएसएआई की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट में नेस्ले इंडिया के एक इन्फेंट मिल्क (फॉलो-अप फॉमूर्ला) का सैंपल पूरी तरह मानकों से कम पाया गया है। इस प्रोडक्ट में बच्चों के दिमागी और शारीरिक विकास के लिए आवश्यक विटामिन बायोटिन (बायोटिन यानी विटामिन बी-7) की मात्रा तय भारतीय कानूनी सीमा से काफी कम मिली।

उपभोक्ता डिब्बे पर लिखी न्यूट्रिशन वैल्यू को सच मानकर पूरी कीमत चुकाता है किंतु डिब्बे के अंदर बंद पाउडर में वह पोषण होता ही नहीं है जिसका वादा किया गया था, वस्तुतः यह सीधे तौर पर भारतीय ग्राहकों की जेब काटने और उनके बच्चों को कुपोषण की ओर धकेलने जैसा धोखा है।

भारत में नेस्ले द्वारा किए गए उपभोक्ताओं के भरोसे के सबसे बड़े कत्ल के रूप में साल 2015 का मैगी विवाद हमेशा याद किया जा सकता है। 1983 में भारत में लॉन्च होने के बाद मैगी ने भारतीय घरों में 'दो-मिनट' के जादुई स्लोगन से अपनी जगह बनाई थी और बाजार के एक बहुत बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था, पर जब जांच हुई तो सामने आया कि उत्तर प्रदेश के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की जांच में मैगी के सैंपल्स में लेड (शीशा) की मात्रा तय सुरक्षित सीमा (2.5 पीपीएम) से कई गुना अधिक थी। लेड इंसान के शरीर, विशेषकर बच्चों के लिवर, किडनी और मस्तिष्क विकास के लिए एक खतरनाक न्यूरोटॉक्सिन (धीमा जहर) है। इसके अलावा, मैगी के हर पैकेट पर लिखा होता था- ₹नो एडेड एमएसजी₹, मगर प्रयोगशालाओं की जांच में इसमें मोनोसोडियम ग्लूटामेट (एमएसजी) की मौजूदगी पाई गई। इस बड़े धोखे के बाद एफएसएसएआई ने देशव्यापी प्रतिबंध लगाते हुए नेस्ले को 38,000 टन मैगी बाजार से वापस मंगाकर नष्ट करने पर मजबूर किया था और भारत सरकार ने कंपनी के खिलाफ ?640 करोड़ का मुकदमा भी दायर किया था। यह आरोप सिर्फ भारतीय नियामकों का नहीं है, स्वयं नेस्ले के वैश्विक नेतृत्व ने इस सच को स्वीकारा है। साल 2021 में नेस्ले के सामने आए आंतरिक दस्तावेज में कंपनी ने खुद कबूल किया कि उसके मुख्यधारा के खाद्य और पेय पोर्टफोलियो (जैसे नूडल्स, चॉकलेट, कन्फेक्शनरी) के 60 फीसद से अधिक उत्पाद स्वास्थ्य की स्थापित अंतरराष्ट्रीय परिभाषाओं पर खरे नहीं उतरते हैं। कंपनी ने माना था कि उनके कुछ श्रेणियों के उत्पादों को वे चाहे जितनी कोशिश कर लें, कभी भी 'न्यूट्रिशियस या पूरी तरह हेल्दी' नहीं बनाया जा सकता। इसके बावजूद, भारतीय बाजारों में आकर्षक विज्ञापनों के जरिए इन उत्पादों को 'खुशियों का जरिया' और 'बच्चों के टिफिन का सबसे अच्छा साथी' बताकर धड़ल्ले से परोसा जाता है। ऐसे में नेस्ले इंडिया की यात्रा यह साफ दशार्ती है कि कोई भी कॉर्पोरेट ब्रांड तब तक पूरी तरह जवाबदेह नहीं बनता, जब तक कि उपभोक्ता खुद जागरूक न रहे ।

मां लक्ष्मी का वाहन उल्लू क्यों है, धार्मिक मान्यताओं में छिपा है धन और बुद्धि का संदेश

हिंदू धर्म में माता लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। साधक शरद पूर्णिमा, दीपावली और महालक्ष्मी व्रत के दौरान माता लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता के अनुसार, जो भक्तजन श्रद्धा और आस्था के साथ मां लक्ष्मी जी की पूजा करते हैं, उसकी आर्थिक तंगी दूर रहती है।

आपने भी हर देवी-देवता का कोई न कोई वाहन जरुर देखा होगा कि जो उनके शक्तियों और स्वभाव से जुड़ा एक गहरा संदेश देता है। जब हम धन और वैभव की देवी मां लक्ष्मी की बात करते हैं, तो हम सभी के मन में कमल के फूल पर बैठी या हाथ में धन बरसाती हुई मां की छवि सामने आती है। क्या आपने सोचा है कि माता लक्ष्मी का वाहन उल्लू क्यों माना गया है?

किसान का मित्र और अन्न रूपी धन की रक्षा

इसके पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी है। प्राचीन काल से भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है, जहां अन्न को ही असली धन माना गया है। खेतों में खड़ी फसल को चूहे और अन्य कीट नुकसान पहुंचाते हैं। उल्लू रात के समय इन चूहों और कीटों का शिकार करता है और फसल का बचाता है। इसी तौर पर, उल्लू अप्रत्यक्ष रुप से किसानों की फसल यानी धन की रक्षा करता है। इसलिए, कृषि संस्कृति में इसे मां लक्ष्मी को वाहन के रुप में जोड़ा गया है।

अंधी दौड़ और धन का मोह न रखना

असल में उल्लू की एक खास विशेषता यह है कि उसे दिन के उजाले में साफ नजर नहीं आता है, वह रात के समय ही देख सकता है। इसके जरिए लोगों को यह संदेश मिलता है कि, जो लोग धन की चकाचौंध में पूरी तरह से अंधे हो जाते हैं, वे मां लक्ष्मी की असली कृपा को नहीं पहचान पाते। इसलिए धन जरुरी है, लेकिन उसके प्रति अंधापन इंसान को विवेकहीन बना देता है।

दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता का प्रतीक

असल में प्राकृतिक रुप से उल्लू को एकदम बेहद शांत, चौकन्ना और बुद्धिमान पक्षी माना गया है। इसकी आंखें स्थिर और बड़ी होती हैं जो हर दिशा में पैनी नजर रखता है। यह इस बात का प्रतीक है कि सच्चा धन वही संभाल सकता है, जिसके पास दूरदर्शिता हो, जो अपने खर्चे और निवेश को लेकर बुद्धिमान और सतर्क हो। बिना दूरदर्शिता के आया धन ज्यादा समय तक नहीं टिकता है।

विरोधाभास और संतुलन का संदेश

धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता लक्ष्मी का स्वभाव काफी चंचल होता है, जिसका मतलब है कि धन एक जगह नहीं टिकता है और उल्लू भी एक शांत और एकांत प्रिय जीव है जो रात में एक्टिव रहता है। इस बात से यह पता चलता है कि जीवन में स्थिरता और गतिशीलता दोनों बेहद जरुरी है। इतना ही नहीं, उल्लू माता लक्ष्मी के साथ उनकी बड़ी बहन 'अलक्ष्मी' (कंगाली या दरिद्रता) का प्रतीक भी है, जो हमें सिखाती हैं कि धन के साथ अहंकार और बुराई जैसी नकारात्मक ऊर्जाएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। व्यक्ति को हमेशा सावधान रहना चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**

email : metrorays.ranchi@gmail.com

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

अनंत चतुर्दशी 25 को मनाई जाएगी

साहिबगंज : उदया तिथि के आधार पर यह व्रत और गणेश विसर्जन इसी दिन किया जाता है । इस संदर्भ में पंडित रंजन झा ने बताया कि मुख्य तिथियां और मुहूर्तचतुर्दशी तिथि प्रारंभ 24 सितंबर की रात 11:18 बजेचतुर्दशी तिथि समाप्त 25 सितंबर 2026 की रात 11:06 बजेपूजा का शुभ मुहूर्तः सुबह 06:11 बजे से रात्रि 11:06 बजे तकगणेश विसर्जन समय सुबह 06:11 बजे से शुरूइस दिन का महत्वभगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा की जाती है।पुरुष दाहिने और महिलाएं बाएं हाथ में 14 गांठों वाला अनंत सूत्र बांधती हैं।अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की विधि-विधान से पूजा की जाती है और अनंत सूत्र धारण किया जाता है। इसके साथ ही इस दिन गणेश उत्सव का समापन और गणेश विसर्जन भी किया जाता है।पूजा की सामग्री भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर14 गांठों वाला सूती या रेशमी अनंत सूत्र धागा कलश गंगाजल नारियलरोली पीला चंदन अक्षत अतूट चावल पुष्प और तुलसी दलधूप, घी का दीपक, नैवेद्य या फल-मिठाई खीर पूरी आदिपंचा मृतचरण दर-चरण पूजा विधिस्नान और संकल्प सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ-सुथरे संभव हो तो पीले वस्त्र पहनें।पूजा स्थल को गंगाजल छिड़क कर शुद्ध करें।हाथ में जल और अक्षत लेकर भगवान विष्णु के सामने व्रत और पूजा का संकल्प लें।स्थापना एक चौकी पर पीला वस्त्र बिछाकर भगवान विष्णु या अनंत भगवान की प्रतिमा चित्र स्थापित करें।पास में कलश स्थापना करें और भगवान के सामने 14 गांठों वाला अनंत धागा रखें।पूजन प्रक्रिया सबसे पहले घी का दीपक और धूप प्रज्वलित करें।भगवान गणेश और विष्णु जी को पंचामृत व गंगाजल से स्नान कराएं।रोली पीला चंदन अक्षत और पुष्प अर्पित करें।भगवान को तुलसी दल और सात्विक भोग खीर पूरी या फल अर्पित करें।अनंत सूत्र की पूजा और धारण भगवान के पास रखे अनंत धागे की भी रोली अक्षत और फूलों से पूजा करें।अनंत व्रत की कथा सुनें या पढ़ें।पूजा के बाद पुरुष अपने दाहिने हाथ में और महिलाएं अपने बाएं हाथ में इस अनंत सूत्र को बांधें।आरती और विसर्जन विष्णु भगवान की विधिपूर्वक आरती उतारें।यदि आपने गणेश जी की स्थापना की है। तो गणेश विसर्जन के नियम के अनुसार उनकी विदाई पूजा करें और बप्पा का विसर्जन करें।अंत में पूजा में हुई भूल-चूक के लिए क्षमा प्रार्थना करें और प्रसाद बांटे।

पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स : परमा हांसदा ने स्वर्ण काजल कुमारी ने रजत पदक जीता

साहिबगंज : 37 वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता पटना के दूसरे दिन जिले में खेल विभाग द्वारा सिद्धो कान्हु स्टेडियम में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र साहिबगंज के ट्रेनी परमा हांसदा ने बालक अंडर 16 वर्ष आयु वर्ग के पेंटाथलन में 3852 अंकों साथ स्वर्ण पदक जीता वहीं मिथिलेश कुमार 3783 अंकों के साथ दूसरे व निखिल कुमार बिहार 3691अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे वहीं सकरीगली की काजल कुमारी ने जेवलिन थ्रो बालिका अंडर 16 वर्ष में 29.92 मीटर के साथ रजत पदक जीता वहीं पश्चिम बंगाल की मोनिका वैदया प्रथम व पूजा सोनोवाल असम तीसरे स्थान पर रही एवं विवेक यादव बालक अंडर 20 जेवलिन थ्रो में छठे स्थान पर रहे। ज्ञातव्य हो जिले के कुल 11 प्रतिभागियों इस प्रतियोगिता में शामिल हैं।इस प्रतियोगिता में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, असम, मिजोरम मणिपुर, त्रिपुरा मेघालय, सिक्किम, नागालैंड अरुणाचल प्रदेश, अंडमान एवं निकोबार की टीम भाग ले रही है। जिले के विजेता एथलीट परमा हांसदा एवं काजल कुमारी को उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक संजय कुमार, जिला खेल पदाधिकारी श्री नयन कुमार समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

राहत सामग्री बांटने वालों में नगर अध्यक्ष रामनाथ पासवान सबसे अव्वल

साहिबगंज : बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों का हाल जाने उनका दुख दर्द बांटने व उनके बीच राहत बांटने में नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने एक मिसाल कायम कर दी है। पिछले 15 दिनों से लगातार रामनाथ पासवान संघर्षरत देखे गए।गूगल ने भी उनकी मानवीय सक्रियता को नोटिस कर उन्हें अव्वल माना है।गूगल ने साहिबगंज के बाढ़ प्रभावित और शहरी क्षेत्र में सबसे सक्रिय रूप से राहत सामग्री बांटने वाले प्रमुख नेताओं की सूची में नगर अध्यक्ष रामनाथ पासवान को सबसे अव्वल स्थान दिया है।गूगल ने दशार्या है कि रामनाथ पासवान जमीनी स्तर पर सबसे अधिक सक्रिय रहे।

पर्यावरण अनुकूल बनाने में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर

साहिबगंज : स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में रेलवे अधिकारियों कर्मचारियों और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई।अभियान के तहत मालदा टाउन न्यू फरक्का भागलपुर और साहिबगंज की रेलवे कॉलोनियों में घर-घर जाकर लोगों को स्वच्छता कचरे के उचित निपटान और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।वहीं बांका धनौरी धुलियान गंगा न्यू फरक्का और जमालपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों को स्वच्छता बनाए रखने तथा निर्धारित कूड़ेदान का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।जमालपुर स्टेशन पर यात्रियों के बीच पर्चे वितरित कर ह्यसिंगल-यूज प्लास्टिक को कहें ना का संदेश दिया गया।मालदा मंडल द्वारा इन कार्यक्रमों के माध्यम से रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

बारियातू जागीर में धूमधाम से मना करमा पूजा महोत्सव

करमा पर्व प्रकृति, परंपरा और भाई-बहन के प्रेम का पर्व : बैद्यनाथ राम

संवाददाता

लातेहार : सदर प्रखंड के बारियातू जागीर गांव में करमा पूजा महोत्सव पारंपरिक उल्लास और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव में भव्य शोभायात्रा निकाली गयी, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। बारिश के बावजूद शोभायात्रा में लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम शामिल हुए। उन्होंने कहा कि करमा पर्व प्रकृति, परंपरा और भाई-बहन के प्रेम का पर्व है। यह पर्व लोगों को अपनी संस्कृति और परंपरा से जोड़ने के साथ प्रकृति संरक्षण, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लेने की अपील की।

जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने कहा कि करमा पूजा आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपरा की पहचान है। उन्होंने कहा कि नयी पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के महत्व से अवगत कराना जरूरी है।

सदर थाना प्रभारी अशोक कुमार पासवान ने लोगों से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में करमा पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने अफवाहों और भ्रामक खबरों से बचने तथा किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर पुलिस को सूचना देने की बात कही।

इस दौरान सुदामा प्रसाद गुप्ता, पूर्व जिप सदस्य रामदेव सिंह, विलासी टोप्पो, अंकित पांडेय, दीपक कुमार, ममता देवी, रेखा देवी, दयानंद पांडेय, श्रीराम सिंह समेत आयोजन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया।

सड़क हादसे में घायल सुखदेव गंझू की रिम्स में मौत

करमा पर्व की खुशियां मातम में बदलीं, गुरुवार को होगा अंतिम संस्कार

चंदवा : चंदवा-मालहन-मैक्लुस्कीगंज मुख्य पथ पर एकमहुआ गांव के समीप पिछले सोमवार की शाम हुए भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुटाप के असनाही निवासी सुखदेव गंझू (47) की मंगलवार की देर रात रिम्स रांची में इलाज के दौरान मौत हो गयी। हादसे में उनकी 11 वर्षीय पुत्री करिश्मा कुमारी भी घायल हुई है, जिसका इलाज जारी है। सुखदेव की मौत की खबर मिलते ही हुटाप और आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गयी।

जानकारी के अनुसार, करमा पर्व को लेकर सुखदेव सोमवार को अपनी पुत्री करिश्मा को चंदवा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय उच्च विद्यालय से बाइक पर लेकर अपने घर असनाही हटाप लौट रहे थे। इसी दौरान एकमहुआ गांव के समीप लोहरसी की ओर से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुखदेव और उनकी पुत्री सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये।

घटना के बाद आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सुखदेव की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें रिम्स रांची रेफर कर दिया। रिम्स में इलाज के दौरान मंगलवार की रात उनकी मौत हो गयी।

शव पहुंचते ही मचा कोहराम

बुधवार को रिम्स में पोस्टमार्टम के बाद सुखदेव का शव उनके पैतृक आवास असनाही हुटाप पहुंचा। शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी, बच्चों और अन्य परिजनों के चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। करमा पर्व की तैयारियों और खुशियों के बीच हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सुखदेव गंझू शिक्षक छद्दू गंझू के बड़े भाई थे। वह अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और दो पुत्रियों को छोड़ गये हैं। छोटे भाई छद्दू गंझू ने बताया कि गुरुवार को गांव में ही सुखदेव का अंतिम संस्कार किया जायेगा।

राष्ट्रकवि दिनकर की 108वीं जयंती पर साहित्यकारों ने किया स्मरण

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के एनआरपी सेंटर स्कूल मे झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी व मनोरंजन भोजपुरी साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वावधान में एनआरपी सेंटर विद्यालय के सभागार में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 108वीं जयंती मनाई गई।कार्यक्रम का उद्घाटन एफजेसीसीआई के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आकाश पांडेय, साहित्यकार अनिरुद्ध प्रभास शिक्षाविद् गीता पांडेय,पूर्व सार्जेंट मेजर नरेंद्र नाथ साहा पर्यावरणविद् नवल कुमार झा और मुख्य वक्ता डॉ.सच्चिदानंद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित किया। जबकि नवल किशोर झा ने कहा कि दिनकर का साहित्य कालजयी है और उनकी रचनाओं में ओज तेज राष्ट्रचेतना का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है।उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी साहित्य से जुड़ती है।मुख्य वक्ता डॉ.सच्चिदानंद ने कहा कि दिनकर की रचनाओं में शोषित,पीड़ित और उपेक्षित वर्गों की आवाज को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्ति मिली है।उनकी रचनाएं आज भी समाज में चेतना और संघर्ष की प्रेरणा देती हैं।उन्होंने बताया कि ह्यउर्वशीह्ल के लिए दिनकर को वर्ष 1972 में ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था।साहित्यकार अनिरुद्ध प्रभास ने कहा कि दिनकर की रचनाओं में सामाजिक विषमता के खिलाफ जनचेतना का स्वर दिखाई देता है। वहीं आकाश पांडेय ने कहा कि दिनकर का साहित्य आज की युवा पीढ़ी को संघर्ष और विपरीत परिस्थितियों में साहस के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।इस अवसर पर गीता पांडेय,सुनील कुमार झा एवं श्रद्धा कुमारी ने भी विचार रखे।संचालन शिक्षक मनोहर शर्मा और धन्यवाद ज्ञापन नरेंद्र नाथ साहा ने किया।कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षक मनोहर शर्मा को एफजेसीसीआई के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आकाश पांडेय ने स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

जिला परिषद उपाध्यक्ष ने पीसीसी सड़क का किया शिलान्यास

संवाददाता

साहिबगंज : जिला परिषद क्षेत्र अंतर्गत सदर प्रखंड क्षेत्र के शोभनपुर भट्टा गंगा प्रसाद पूरब बुधवार को जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने जिला परिषद निधि से दिलीप साह के घर से शंभू राय के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ फीता काटकर नारियल फोड़कर पूजन करके किया। लगभग 5 लाख 55 हजार रुपए की लागत से पीसीसी सड़क बनेगा। उपाध्यक्ष ने बताया कि सड़क के बन जाने से क्षेत्र की जनता को बेहतर सड़क सुविधाएं मिलेगा।क्षेत्र की जनता को बेहतर सड़क सुविधाएं ओर अपने क्षेत्र का निरंतर विकास करना ही मेरा मुख्य कर्तव्य और संकल्प है।आप सभी का विश्वास ही मेरी ताकत है।मौके पर दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

अनंत ओझा को मिली उत्तर प्रदेश की संगठनात्मक जिम्मेदारी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से राजनीतिक सफर शुरू कर राष्ट्रीय स्तर तक बनाई पहचान

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता अनंत ओझा को भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य का संगठन सह प्रभारी नियुक्त किया है। संगठनात्मक कार्यों में लंबे अनुभव और विभिन्न राज्यों में पार्टी के लिए जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।अनंत ओझा ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की।परिषद में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए वे राष्ट्रीय सदस्य तक पहुंचे।इसके बाद भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। बाद में भाजपा की मुख्य संगठनात्मक

इकाई में प्रदेश उपाध्यक्ष और दो कार्यकाल तक प्रदेश महामंत्री के रूप में भी कार्य किया।वर्ष 2014 में चुनावी राजनीति की शुरूआत करने वाले अनंत ओझा राजमहल विधानसभा क्षेत्र से लगातार दो बार विधायक निर्वाचित हुए।इस दौरान उन्होंने विधानसभा में सचेतक की जिम्मेदारी भी निभाई।झारखंड की राजनीति में वे लंबे समय से बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को लेकर मुखर रहे हैं।चुनावी राजनीति के अलावा संगठन विस्तार में भी अनंत ओझा की सक्रिय भूमिका रही है।छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान उन्हें सरगुजा संभाग की जिम्मेदारी दी गई थी।उस समय संभाग की 14 विधानसभा सीटों पर भाजपा का प्रदर्शन शून्य था।उनके नेतृत्व में पार्टी ने सरगुजा संभाग की सभी 14 सीटों पर जीत दर्ज की।इसके अलावा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बांग्लादेश सीमा से सटे मालदा जिले की जिम्मेदारी भी अनंत ओझा ने संभाली।जिले की सात विधानसभा सीटों में से चार सीटों पर भाजपा को जीत दिलाने में संगठनात्मक स्तर पर उनकी भूमिका रही।वहीं भागलपुर विधानसभा चुनाव 2025 में भी उन्हें जिले की जिम्मेदारी मिली जहां जिले की सभी सात विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत हुई।विभिन्न राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियों के दौरान मिले अनुभव और संगठन निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए अब भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें उत्तर प्रदेश का संगठन सह प्रभारी नियुक्त किया है।उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राजनीतिक और संगठनात्मक क्षेत्र में मिली यह जिम्मेदारी उनके लंबे संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

चोरी की बाइक से बनाई गन्ने का रस निकालने की जुगाड़ू मशीन

एक आरोपी मौके से गिरफ्तार, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

साहिबगंज/पतना : रांगा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर क्षेत्र के केंदुआ में बाइक चोर का अजीबोगरीब कारनामें का खुलासा किया है।जिस खुलासे से पुलिस भी आश्चर्यचकित और हैरान है । जनकारी के अनुसार बीते दिनों केंदुआ गाँव के निवासी सदानंद साहा की हीरो ग्लैमर पंजीकरण संख्या जेएच 18 जी 9475 उसके घर के सामने से चोरी हो गई थी।काफी पूछताछ और पता लगाने के बाद कुछ पता नहीं चलने के बाद पीड़ित घटना की जानकारी रांगा थाना पुलिस को दी ,जिसके आलोक में कांड संख्या 83/26 दर्ज कर रांगा थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार बताया कि मामले को लेकर जाँच टीम तैयार कर विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से छानबीन की गई लेकिन कुछ पता नहीं चल पा रहा था।लेकिन किसे पता था कि चोरी की बाइक को शातिर चोर ने अपना नया रोजगार का जरिया बनाया जो समझ के परे है।

गुप्त सूचना के आधार पर बरहरवा थाना क्षेत्र में छापेमारी के बाद हुआ खुलासा

काफी पुलिसिया छानबीन और मशक्कत के बाद गुप्त सूचना मिली कि बीते दिनों हुई चोरी की बाइक के पाट्र्स को भूटभूटिया में गन्ने का रस निकालने वाली मशीन बनाई गई है जिसे खुलेआम इस्तेमाल भी किया जा रहा है।इस सूचना के बाद पुलिस ने जरा भी देरी ना करते हुए बरहरवा थाना क्षेत्र के पुरुलिया गांव

में छापेमारी की जिस दौरान मौके पर आमगाछी निवासी अब्राहिम शेख भूटभूटिया से गन्ने का जूस निकालकर खरीद बिक्री कर रहा था,पुलिस ने मौके पर ही भूतभूतिया में लगे पाट्र्स की बारीकी से जाँच पड़ताल की जिसमें चोरी की बाइक का इंजन एवं अन्य पाट्र्स उसी बाइक के पाट्र्स से मेल खा रहा था,और इंजन की मदद से गन्ने का जूस तैयार किया जा रहा था ।पुलिस ने मौके पर इब्राहिम शेख को हिरासत लेते हुए भुटभूतिया को जब्त कर लिया।

पूछताछ में खुले कई राज बिंदुपाड़ाके मिस्त्री में बनाया गन्ने का मशीन

हिरासत में पुलिसिया पूछताछ में आरोपी ने पूरे घटनाक्रम के राज उगले जिसमें उसने बताया की बाइक चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद गुप्त रूप से पाट्र्स को बिंदुपाड़ा के वेल्डिंग मिस्त्री के पास ले गया जहाँ उसने जुगाड़ गाड़ी में बाइक के इंजन को जोड़कर गन्ने का जूस निकलने वाली मशीन बनाने में मदद की थी,और उसी जुगाड़ गाड़ी से खुलेआम घूम घूम कर गन्ने का जूस बेचता रहा ताकि किसी को शक न हो ।पुलिस की पूछताछ में कई अहम जानकारियां और नाम भी सामने आए है ,जो एक संगठित रैकेट है जो चोरी की गाड़ियों के पाट्र्स का इस्तेमाल कर जुगाड़ गाड़ियों में इस्तेमाल करते है।गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी लगातार जारी है।

अभिषेक बच्चन का नया लुक देखकर चौंके फैंस

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर नहीं, बल्कि अपने लुक को लेकर। एक्टर हाल ही में यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग स्पोर्ट्स इवेंट का हिस्सा बने। वहां से उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनमें अभिषेक का बदला हुआ लुक फैंस का ध्यान खींच रहा है। तस्वीरें सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके नए अंदाज को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। वायरल तस्वीरों में अभिषेक बच्चन का लुक पहले के मुकाबले काफी अलग नजर आ रहा है।

ईटीपीएल के इवेंट में लीग के को-फाउंडर अभिषेक बच्चन ने नेवी सूट पहना था। उन्होंने इसके साथ डार्क सनग्लासेस पहना और साथ ही उनका हेयरस्टाइल भी बदला हुआ दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर अभिषेक बच्चन के लुक को लेकर काफी चर्चा हुई। उनकी नई तस्वीरों को देखकर कई लोगों ने उनके स्टाइल की जमकर तारीफ की।

'भाबीजी घर पर हैं' के एक्टर आईसीयू में भर्ती, शरीर में फैला इंफेक्शन, बहन ने इलाज के लिए मांगी आर्थिक मदद

टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में नजर आ चुके अभिनेता ईश्वर ठाकुर इस समय गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। पैर में हुई चोट में इंफेक्शन फैलने के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें ठाणे के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उनकी बहन जयश्री ने आर्थिक मदद के लिए भावुक अपील की है, क्योंकि परिवार के लिए इलाज का बढ़ता खर्च उठाना मुश्किल हो रहा है।

जयश्री ने अपने भाई को जानने वालों के साथ एक वीडियो शेयर किया है और इस मुश्किल समय में मदद मांगी है।

मीडिया से बातचीत के दौरान जयश्री ने बताया कि ईश्वर के पैर में कुछ समय पहले चोट लगी थी, जो धीरे-धीरे काफी बढ़ गई। अब यह इंफेक्शन उनके पूरे शरीर में फैल चुका है, जिसके चलते उन्हें आईसीयू में रखना पड़ा है।

जयश्री के मुताबिक, परिवार के पास अब अस्पताल के बिल चुकाने तक के पैसे नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास इलाज के लिए अब पैसे नहीं बचे हैं। पिछली बार जब ईश्वर बीमार पड़े थे, तब फिल्म इंडस्ट्री के दोस्तों ने काफी मदद की थी और हमारी बची हुई जमा पूंजी भी उसी में खर्च हो गई थी। अब एक बार फिर हमारे सामने संकट खड़ा हो गया है। अपने वीडियो संदेश के जरिए जयश्री को उम्मीद है कि दोस्त, साथी कलाकार और शुभचिंतक आर्थिक मदद करेंगे ताकि परिवार ईश्वर का इलाज जारी रख सके। वहीं, जब एक्ट्रेस टीना घई से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने दोस्तों से ठाकुर की मदद के लिए आगे आने की अपील की है। उन्होंने कहा, ₹मैं उनकी मदद के लिए जो कुछ भी कर सकती हूं, करती हूं।₹ टीना घई ने सुधीर दलवी के लिए भी फंड इकट्ठा करके मदद की थी।

विदेशों में हनुमान अंश का जलवा, 12 दिनों में $3।5 मिलियन पार कर बनी 2026 की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म

हनुमान अंश फिल्म की ग्लोबल लेवल पर शानदार कमाई जारी है। इस तरह से होमबले ओवरसीज अपने ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन फुटप्रिंट का दायरा बढ़ाना जारी रखे हुए है। हनुमान अंश फिल्म सफलता की नई सीढ़ियां चढ़ते हुए, अपनी शानदार कहानी से दुनियाभर में नए मुकाम अपने नाम करती जा रही है। 11 सितंबर को इंटरनेशनली रिलीज हुई, यह फिल्म केवल 12 दिनों में ओवरसीज कलेक्शंस के मामले में $3।5 मिलियन से ज्यादा की कमाई अपने नाम कर चुकी है। इस तरह से यह 2026 की दूसरी सबसे बड़ी ओवरसीज ग्रॉसर बनकर सामने आई है।

यह उपलब्धि हनुमान अंश के सफर में एक हमेशा याद रखने वाली कड़ी जोड़ती है, जिसे इंडिया के बाहर भी दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म ने केवल 12 दिनों में आस्था, भक्ति, और महाराजजी के सीख

पर आधारित कहानी के जरिए ओवरसीज मार्केट में अपना दम दिखा दिया है। यह कहना होगा कि यह कहानी इंटरनेशनल दर्शकों से भी अपना जुड़ाव बनाने में सफल रही है।

फिल्म की ग्लोबल लेवल पर फिनोमिनल परफॉर्मेंस होमबले ओवरसीज के लिए भी एक अहम उपलब्धि है, क्योंकि इस तरह से यह इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की दुनिया में अपनी मौजूदगी को लगातार मजबूत करता जा रहा है। भारतीय कहानियों को इंटरनेशनल ऑडियंस तक ले जाने पर बढ़ते फोकस के साथ, होमबले ओवरसीज ऐसी फि ल्मों की पहुंच को बढ़ा रहा है जो एक मजबूत कल्चरल और भावनात्मक जुड़ाव लेकर आती हैं।

ह्यहनुमान अंश फिल्म एक खास सफलता पाने वाली कहानी के रूप में उभरती नजर आ रही है। फिल्म कहानी जो सर्फ भक्ति और आस्था में गहराई से जुड़े होने के साथ शुरू हुई थी, वह अब एक ग्लोबल थिएट्रिकल फिनोमिनन में बदल चुकी है। दर्शक इसे ग्लोबल लेवल पार भी बेहद पसंद कर रहे हैं, जिसका सबसे बड़ा सबूत फिल्म द्वारा महज 12 दिनों में $3।5 मिलियन से ज्यादा ओवरसीज कमाई का आंकड़ा अपने नाम करना है।

हनुमान अंश की शानदार सफर के बारे में बात करते हुए, फिल्म के प्रोड्यूसर ने कहाः होमबले ओवरसीज हमारे लिए हनुमानजी के दूतों में से एक रहा है। सिनेमा की जो दुनिया उन्होंने हमारे लिए खोली है, उसके लिए हम बेहद आभारी हैं। हनुमान अंश के ऑडियंस और मेकर्स महाराजजी की वैल्यूज को दुनिया तक ले जाने के लिए उनके हमेशा आभारी रहेंगे। महाराजजी ने कहा था, विश्व आएगा और आज हम यहां हैं।ह्व यह मुकाम हनुमान अंश की सक्सेस स्टोरी में एक और शानदार अध्याय जोड़ती है, साथ ही इंडियन सिनेमा और संस्कृति से जुड़ी कहानियों को दुनियाभर के दर्शकों तक ले जाने में होमबले ओवरसीज की बढ़ती भूमिका को भी बढ़ावा दे रही है। महज 12 दिनों में $3।5 मिलियन से ज्यादा के शानदार कलेक्शन के साथ, हनुमान अंश का सफर लगातार यह दिखा रहा है कि आस्था, दर्शकों से जुड़ाव और ऐसी कहानियों में कितनी ताकत होती है, जो सीमाओं से आगे निकल सकती हैं।

ऑस्कर एंट्री पर बिना देखे ही ज्ञान बांट रहे अनुराग कश्यप? 'गोंधल' के डायरेक्टर ने सरेआम लगा दी क्लास

भारत की ऑस्कर एंट्री को लेकर एक बार फिर बॉलीवुड में बहस छिड़ गई है। इस बार मामला फिल्ममेकर अनुराग कश्यप के बयान और मराठी फिल्म गोंधल के डायरेक्टर संतोष दावखर के जवाब तक पहुंच गया है। अनुराग कश्यप ने भारत की ओर से ऑस्कर के लिए चुनी जाने वाली फिल्मों पर सवाल उठाया और उससे रिलेटेड बयान दिया वहीं गोंधल के निर्देशक संतोष दावखर ने भी प्रतिक्रिया दी और लोगों से फिल्म देखे बिना फैसला सुनाने से बचने की अपील की।

अनुराग कश्यप ने क्या कहा? : एक इंटरव्यू के दौरान अनुराग कश्यप ने मराठी फिल्म गोंधल की ऑस्कर एंट्री पर ऐतराज जताते हुए कहा कि देश बिल्कुल गलत फिल्में चुनता है और जब सही फिल्मों को चुनने का मौका मिलता है, तब भी उसे गंवा देता है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर ह्यद लंचबॉक्स और ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट जैसी फिल्मों का जिक्र किया।

अनुराग ने यह भी कहा कि चयन प्रक्रिया में बहुत ज्यादा राजनीति है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि उन्होंने गोंधल या इस साल ऑस्कर के लिए भेजी गई कई दूसरी फिल्मों को अभी देखा ही नहीं है। इसलिए वह मौजूदा चयन पर सीधे टिप्पणी करना जल्दबाजी मानते हैं।

ह्यगोंधल के डायरेक्टर ने दिया जवाबः अनुराग के बयान के बाद गोंधल के निर्देशक संतोष दावखर ने सोशल मीडिया पर इसके रिप्लाई में कहा कि वह अनुराग कश्यप और उनकी फिल्ममेकिंग का बेहद सम्मान करते हैं। लेकिन इसके बाद उन्होंने एक ऐसी बात बताई, जिसने इस पूरे विवाद को और दिलचस्प बना दिया।

संतोष के मुताबिक, 26 अप्रैल को बेंगलुरु से मुंबई जाने वाली फ्लाइट में उनकी मुलाकात अनुराग कश्यप से हुई थी। उन्होंने अनुराग को अपनी फिल्म गोंधल के बारे में बताया था। संतोष का कहना है कि उस समय अनुराग ने कहा था कि उन्होंने फिल्म के बारे में नहीं सुना और इसे देखा भी नहीं है, लेकिन वह जरूर फिल्म देखेंगे।

संतोष ने आगे कहा कि तब से फिल्म न तो सार्वजनिक रूप से

हाथ में खून, आंखों में जुनून।।। *लव एंड वार* से रणवीर कपूर का खूंखार लुक आउट, आलिया बोलीं- धमाकेदार

साल 2027 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक 'लव एंड वॉर' का नाम भी लिस्ट में टॉप पर है। विक्की कौशल, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जैसी स्टेलर स्टारकास्ट वाली यह फिल्म नए साल 2027 के पहले ही महीने मे रिलीज होने जा रही है। लेकिन फिल्म की रिलीज से चार महीने पहले ही दर्शकों को सरप्राइज मिलने शुरू हो गए हैं। आज 24 सितंबर को फिल्म लव एंड वॉर से पहली झलक सामने आ चुकी है। जी हां, फिल्म से रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक आ चुका है। रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक विक्की कौशल और भंसाली प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पर कुछ ही देर पहले शेयर किया है।

रणबीर कपूर का फर्स्ट लुकः लव एंड वॉर के डायरेक्टर संजय लीला हैं और उनके भंसाली प्रोडक्शन ने आज फिल्म से रणबीर कपूर का धांसू और बीस्ट फर्स्ट लुक शेयर किया है। रणबीर कपूर अपने फर्स्ट लुक में आसमानी रंग की विंटेज कार में बाहर हाथ लटकार बैठे हुए हैं और दूसरे हाथ से स्टीयरिंग कंट्रोल कर रहे हैं। जो हाथ बाहर है वह गोली लगने के बाद खून से लथपथ है। रणबीर कपूर ने आंखों पर काला चश्मा चढ़ाया हुआ है और चेहरे पर अलग ही रौब दिख रहा है। रणबीर का लव एंड वॉर से फर्स्ट लुक शेयर कर भंसाली प्रोडक्शन ने लिखा है, 'वो रुतबा, वो रौब, वो जुनून, संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर 21 जनवरी 2027 को रिलीज होगी'।

आलिया भट्ट ने बताया धमाकेदारः रणबीर कपूर का लव एंड वॉर से फर्स्ट लुक शेयर कर एक्टर की स्टार पत्नी आलिया भट्ट ने भी अपना रिएक्शन दिया है। आलिया खुद इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस हैं। आलिया अपने स्टार हसबैंड के फर्स्ट लुक पर लिखती है, 'एसएलबीआरके..और साथ ही धमाके का ईमोजी शेयर करती हैं।

बता दें, बड़े-बड़े सेट पर बनी यह फिल्म संजय लीला भंसाली के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में रोमांस का भी तड़का लगाया गया है। फिल्म की कहानी भव्य होने के साथ-साथ इमोशनल प्लॉट को भी टच करती है। यह इंडियन सिनेमा की बिगेस्ट लव सागा में से एक होने जा रही है।

संघर्ष और गहरे जज्बातों के बैकग्राउंड पर सेट यह फिल्म प्यार, दोस्ती, धोखा और जुनून जैसे पहलुओं को दिखाने वाली है, जो एक दमदार और इमर्सिव सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

भंसाली की फिल्मों की वही खास पहचान, यानी ऐसी कहानी जो आपको अपनी दुनिया में डुबो दे और लाजवाब विजुअल्स यानी इस फिल्म में भी वो सब कुछ देखने को मिलेगा। उम्मीद यही है कि ये फिल्म न सिर्फ बड़े लेवल पर बनी होगी, बल्कि दुनिया भर के दर्शकों के दिल को भी गहराई से छू जाएगी। अब रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक आने के बाद से दर्शकों को 21 जनवरी 2027 का इंतजार है।

एशियन गेम्स : महिला स्कीट शूटिंग में आठवां पदक, भारत की बेटियों रायजा-माहेश्वरी और परिनाज ने किया कमाल

एजेंसी/ आइची नागोया: एशियन गेम्स 2026 में महिला शूटिंग टीम ने भारत को आठवां पदक दिलाया। बुधवार को महिलाओं की स्कीट टीम स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक मिला। शूटिंग के स्कीट इवेंट में तीन दिन के क्वालिफाइंग राउंड के बाद, भारतीय तिकड़ी माहेश्वरी चौहान, परिनाज धालीवाल और रायजा ढिल्लों ने 331 के संयुक्त स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

चीनी टीम चे यूफेई, जियान यिटिंग और जियांग चाओयू ने 347 के स्कोर के साथ स्वर्ण और कजाकिस्तान की असेम ओरिनबे, जोया पिस्कुन और एडेल सदाकबायेवा ने 336 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। ढिल्लों और धालीवाल ने भी इंडिविजुअल फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। अगले मेडल इवेंट में ये दोनों अच्छा प्रदर्शन करती हैं, तो भारत की झोली में दो और मेडल आ सकते हैं।

भारतीय शूटर्स शूट ऑफ में जीतेः एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष स्कीट टीम ने कांस्य पदक जीता। अनंतजीत सिंह नरूका,भवतेघ सिंह गिल और मैराज अहमद खान ने देश को मेडल जिताया। भारत को यह मेडल एक बेहद ही रोमांचक मुकाबले में मिला। दरअसल भारतीय टीम और कजाकिस्तान के अंक बराबर थे। कांस्य पदक तय करने के लिए शूट ऑफ हुआ और भारत ने वह शूट ऑफ जीत लिया। भारत की जीत में अनंतजीत सिंह नरूका ने सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 125 में से 119 अंक बटोरे। मैराज अहमद खआन ने 125 में से 116 और भवतेघ सिंह गिल ने 125 में से 111 अंक हासिल किए। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष स्कीट टीम इवेंट में कतर ने 353 अंकों के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं कुवैत ने 348 अंकों के साथ सिल्वर मेडल जीता।

गोवा में होगी आईपीएल ऑक्शन, दिसंबर में लगेगी बोली, तीन साल बाद भारत लौटेगी नीलामी

एजेंसी/ मुंबई: आईपीएल 2027 की नीलामी को लेकर अब तस्वीर साफ हो गई है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया है कि अगले सीजन की खिलाड़ियों की नीलामी दिसंबर में गोवा में आयोजित की जाएगी। यानी इस बार ऑक्शन के लिए टीमों और खिलाड़ियों को भारत में ही जुटना होगा, लेकिन, नीलामी की सटीक तारीख अभी सामने नहीं आई है। देवजीत सैकिया ने बताया कि पिछले तीन साल में आईपीएल की नीलामी भारत से बाहर अलग-अलग जगहों पर आयोजित की गई थी। इनमें सऊदी अरब, दुबई और आबुधाबी शामिल रहे।

अब बीसीसीआई ने इस आयोजन को फिर से भारत में कराने का फैसला किया है और इसके लिए गोवा को चुना गया है। सैकिया के मुताबिक, इस साल आईपीएल नीलामी दिसंबर के महीने में होगी। फिलहाल बीसीसीआई की ओर से सिर्फ महीने और शहर की जानकारी सामने आई है। ऐसे में नीलामी की तारीख को लेकर अभी किसी फिक्स दिन का नहीं बताया गया है। आईपीएल 2027 लीग का 20वां सीजन होगा। बीसीसीआई की आम सभा ने भी 2027 में होने वाले आईपीएल के 20वें संस्करण को बड़े लेवल पर मनाने का फैसला किया है। अब दिसंबर में होने वाली नीलामी से टीमों की अगले सीजन की तैयारियां आगे बढ़ेंगी।

भारत-जापान मैच में जीत पर भारतीय टीम को बधाईः भारत और जापान के बीच हुए मुकाबले को लेकर भी सैकिया ने भारतीय टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मैच सिर्फ जीत तक लिमिटेड नहीं था, बल्कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक कदम था। उन्होंने बताया कि जय शाह की पहल पर इस मुकाबले के आयोजन की दिशा में काम शुरू हुआ था।

टी-20 रैंकिंग में छाए श्रेयस अय्यर, सात पायदान की लगाई छलांग, टॉप-फाइव में हैरी ब्रूक

एजेंसी/दुबईः इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बुधवार को पुरुष टी-20 और वनडे खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें जमकर फेरबदल देखने को मिला। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टी-20 बल्लेबाजों की लिस्ट में लंबी छलांग लगाई है। वह सात पायदान चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके 627 रेटिंग अंक हैं। अय्यर ने मंगलवार को जापान के खिलाफ ऐतिहासिक टी-20 में 16 रन बनाए थे।

वह बारिश से प्रभावित मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच रहे। यह भारत और जापान के बीच पहला इंटरनेशनल क्रिकेट मैच था। अय्यर ने पिछले हफ्ते अफगानिस्तान के विरुद्ध तीसरे टी-20 में 29 रन का योगदान

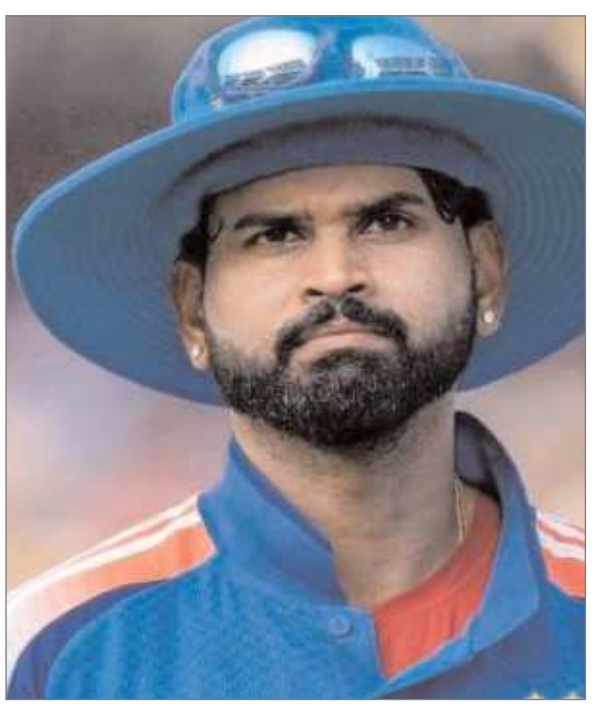

दिया था। विकेटकीपर ईशान किशन (904) शीर्ष पर काबिज हैं। हालांकि, ईशान को 9 रेटिंग अंक का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने जापान मैच में सिर्फ तीन रन बनाए थे। गोल्डन डक का शिकार होने वाले अभिषेक शर्मा (893) दूसरे स्थान पर बरकरार हैं।

हैरी ब्रूक टॉप-फाइव मेंः इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को वनडे और टी-20 बैटिंग रैंकिंग में फायदा हुआ है। इंग्लैंड ने हाल ही में श्रीलंका का तीन मैचों की टी-20 सीरीज में सूपड़ा साफ किया और पहला वनडे 89 रन से जीता। ब्रूक 237 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। वह टी-20 रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर चौथे स्थान पर आ गए हैं। ब्रूक की 793 रेटिंग है, जो उनके करियर की बेस्ट है।

जमुई के बाद समस्तीपुर में युवती से सरेराह अभद्रता का वीडियो वायरल 6 युवक हिरासत में, जांच में जुटी पुलिस, शराब कनेक्शन भी सामने आया

समस्तीपुर : बिहार के जमुई में युवती से सरेराह बदसलूकी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि समस्तीपुर में भी ऐसी ही घटना का वीडियो सामने आने से सनसनी फैल गई। जिला मुख्यालय से महज कुछ किलोमीटर दूर कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव के पास बांध पर हुई बताई जा रही इस घटना का वीडियो बुधवार देर शाम सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वायरल वीडियो में एक युवती को कुछ युवकों से घिरा देखा जा सकता है। आरोप है कि युवकों ने उसके साथ सरेराह अभद्रता, गाली-गलौज और गलत तरीके से छूने जैसी अश्लील हरकत की।

वीडियो वायरल होते ही समस्तीपुर जिला पुलिस सक्रिय हो गई। एसपी अरविंद प्रताप सिंह के निर्देश पर कर्पूरीग्राम, नगर, मुफ्फसिल, पूसा और कल्याणपुर थानों की पुलिस ने देर रात तक अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में छह लोगों को हिरासत में लिए जाने की बात सामने आई है। हिरासत में लिए गए लोगों में मुख्य आरोपी बताए जा रहे विकास कुमार शर्मा, राहुल कुमार, अवधेश पासवान, रामबाबू साहनी, छोटू पासवान और वार्ड सदस्य दिलीप राम शामिल हैं। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से मामले में कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

बाइक किनारे लगाकर फोटो ले रही थी युवतीः बताया जा रहा है कि युवती एक युवक के साथ बाइक से पूसा-मगरदही घाट-समस्तीपुर जाने वाली बांध सड़क से गुजर रही थी। जगतसिंहपुर गांव के पास दोनों ने बाइक सड़क किनारे लगाई और युवती वहां फोटो लेने लगी। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और युवती को चारों तरफ से घेर लिया। वायरल वीडियो में युवती के आसपास कई युवक दिखाई दे रहे हैं। युवती लगातार उनका विरोध करती नजर आती है। आरोप है कि इस दौरान युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज की और अश्लील हरकत करते हुए गलत तरीके से छुआ। घटना के दौरान वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो मोबाइल से बना लिया। यही वीडियो बुधवार देर शाम सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर तेजी से वायरल होने लगा।

युवती घिरी रही, साथ आया युवक मौके से भागाः वीडियो में युवती को कई लोगों के बीच घिरा हुआ देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि अचानक भीड़ बढ़ने और युवती को घिरा देखकर उसके साथ आया युवक डर गया और मौके से भाग निकला। इसके बाद युवती अकेले ही वहां मौजूद युवकों का विरोध करती रही। वीडियो में युवती द्वारा अपने भाई को फोन करने की बात भी सुनाई दे रही है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होते ही पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और जांच शुरू कर दी। एसपी के निर्देश पर पांच थानों की पुलिस ने की छापेमारीः वीडियो वायरल होने के बाद एसपी अरविंद प्रताप सिंह के निर्देश पर कर्पूरीग्राम, नगर, मुफ्फसिल, पूसा और कल्याणपुर थानों की पुलिस टीम सक्रिय हुई। पुलिस ने जगतसिंहपुर इलाके में देर रात तक अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। इसी कार्रवाई में छह लोगों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब हिरासत में लिए गए लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है और वायरल वीडियो के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

वीडियो में दिख रहे अन्य लोगों की पहचान में जुटी पुलिसः पुलिस वायरल वीडियो को खंगालकर उसमें दिखाई दे रहे अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। साथ ही घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों से भी जानकारी ली जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वीडियो किस व्यक्ति ने बनाया था और इसे सोशल मीडिया पर किसने वायरल किया। जांच के दौरान पुलिस घटना की पूरी परिस्थितियों और वीडियो में दिखाई दे रहे प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है। विकास और राहुल का शराब कारोबार से कनेक्शन भी सामने आयाः पुलिस कार्रवाई के बीच हिरासत में लिए गए विकास कुमार शर्मा और राहुल कुमार का शराब कारोबार से जुड़ा कनेक्शन भी सामने आने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों के खिलाफ शराब से जुड़े कई मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस उनके पुराने मामलों और आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाल रही है। हालांकि, मौजूदा घटना में दोनों की भूमिका और पुराने मामलों से जुड़ी पूरी जानकारी पुलिस के आधिकारिक बयान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

कौन है युवती, पुलिस कर रही पहचानः घटना में पीड़ित युवती की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। वह किस गांव की रहने वाली है और मंगलवार को वह बांध पर किस काम से पहुंची थी, इसकी जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है। पुलिस युवती तक पहुंचने, उसका पक्ष जानने और मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है।

डोनाल्ड ट्रंप को झटकाः व्हाइट हाउस से मीडिया बैन पर कोर्ट ने लगाई रोक

वॉशिंगटन : अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप प्रशासन और मीडिया संस्थानों के बीच चल रही खींचतान में गुरुवार को नया मोड़ आ गया। अमेरिकी संघीय न्यायाधीश टिमोथी केली ने ट्रंप प्रशासन को सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों को व्हाइट हाउस में दोबारा प्रवेश देने का आदेश दिया। अदालत ने शुरूआती तौर पर माना कि तीनों मीडिया संस्थानों पर लगाया गया प्रतिबंध असंवैधानिक हो सकता है। यह मामला उस फैसले से जुड़ा है, जिसके तहत ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह इन तीनों संस्थानों के पत्रकारों की व्हाइट हाउस पहुंच रोक दी थी। तीनों संस्थानों ने इसके खिलाफ अदालत का रुख किया था।

ट्रंप प्रशासन ने इन तीनों मीडिया संस्थानों की पहुंच क्यों रोकी थी? : राष्ट्रपति ट्रंप ने 18 सितंबर को सोशल मीडिया के जरिए सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको पर व्हाइट हाउस से प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप ने इन संस्थानों पर ऐसी खबरें प्रकाशित करने का आरोप लगाया था, जिन्हें वह गलत और झूठी रिपोर्टिंग मानते हैं। इसके बाद तीनों संस्थानों के पत्रकारों को व्हाइट हाउस परिसर में प्रवेश से रोका गया और उनके हार्ड प्रेस बैज निष्क्रिय कर दिए गए। इसके खिलाफ सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको ने संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया। उनका कहना था कि प्रशासन की कार्रवाई अमेरिकी संविधान के प्रथम संशोधन में दी गई प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है। तीनों संस्थानों ने यह भी कहा कि उनके प्रेस पास वापस लेने से पहले उन्हें उचित कानूनी प्रक्रिया का मौका नहीं दिया गया। जज ने प्रशासन की कार्रवाई पर क्या सवाल उठाए? बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान न्यायाधीश टिमोथी केली ने इस बात पर सवाल उठाया कि पत्रकारों के प्रेस पास रद्द करने से पहले प्रशासन ने उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया था या नहीं। सुनवाई में उन्होंने संकेत दिया कि प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इसके बाद गुरुवार को उन्होंने तीनों संस्थानों के पत्रकारों की व्हाइट हाउस पहुंच बहाल करने का आदेश दिया। मुकदमा इन संस्थानों ने इस आधार पर दायर किया था कि उन्हें बिना उचित प्रक्रिया के व्हाइट हाउस से बाहर किया गया। तीनों मीडिया संस्थानों की ओर से वकील थियोडोर बुट्रॉस ने अदालत से तुरंत प्रेस पास बहाल करने की मांग की थी। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई को विचारधारा या दृष्टिकोण के आधार पर भेदभाव बताया। दूसरी ओर, न्याय विभाग ने ट्रंप प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि व्हाइट हाउस में प्रवेश पत्रकारों का बिना शर्त अधिकार नहीं है।

प्रशासन ने अदालत में अपनी कार्रवाई के बचाव में क्या कहा? : ट्रंप प्रशासन की ओर से अमेरिकी न्याय विभाग ने अदालत में कहा कि व्हाइट हाउस में प्रवेश एक विशेषाधिकार है, कोई असीमित अधिकार नहीं। विभाग ने यह भी तर्क दिया कि व्हाइट हाउस राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास दोनों है और प्रशासन को वहां प्रवेश पाने वाले पत्रकारों के लिए कुछ मानक तय करने का अधिकार है। प्रशासन ने पत्रकारों की पहुंच सीमित करने के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का भी हवाला दिया। उसका कहना था कि पत्रकारों को दी गई पहुंच का इस्तेमाल संवेदनशील या गोपनीय जानकारी प्रकाशित करने के लिए किया गया। न्याय विभाग ने यह भी तर्क दिया कि राष्ट्रपति ओवल ऑफिस जैसे सीमित और संवेदनशील क्षेत्रों में पत्रकारों की पहुंच नियंत्रित कर सकते हैं। प्रशासन ने इस आरोप को भी खारिज किया कि प्रतिबंध ट्रंप की आलोचना करने वाली खबरों के जवाब में लगाया गया था। उसका कहना था कि अगर संबंधित मीडिया संस्थानों की आलोचनात्मक रिपोर्टिंग भी नहीं होती, तब भी प्रशासन यही कदम उठाता।

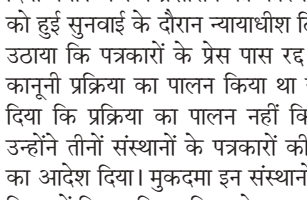

ओआईसी को आतंरिक मामलों में दखल देने का कोई हक नहीं, फर्जी कश्मीर एजेंडे पर भारत का करारा जवाब

नई दिल्लीः न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने एक बार फिर कश्मीर का राग अलापते हुए प्रोपेगैंडा फैलाने की कोशिश की है। भारत के विदेश मंत्रालय ने ओआईसी के इस कदम को सीधे तौर पर खारिज कर दिया। भारत ने साफ किया कि ओआईसी का बयान अनुचित और तथ्यों से परे है। कश्मीर या लद्दाख के किसी भी हिस्से पर बोलने का इस

संगठन को कोई कानूनी अधिकार नहीं है। नई दिल्ली ने जोर देकर कहा कि राजनीतिक मकसद से चलाया जाने वाला कोई भी झूठा कैंपेन जमीनी हकीकत को नहीं बदल सकता। बार-बार पाकिस्तान के मनगढ़ंत बयानों का समर्थन करने से खुद ओआईसी की विश्वसनीयता पूरी दुनिया में खत्म हो रही है।

पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा का लाउडस्पीकर बनना बंद करें: भारत ने दोटूक शब्दों में ओआईसी को हिदायत दी कि वह पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा का लाउडस्पीकर बनना बंद करे। ओआईसी को अपने मंच का गलत इस्तेमाल रोकने पर ध्यान देना चाहिए। संगठन को चाहिए कि वह पाकिस्तान को अपने गिरेबान में झांकने की सही सलाह दे। पाकिस्तान का इतिहास आतंकवाद को पालने और प्रायोजित करने का रहा है।

बाबा रामदेव और बृजभूषण शरण सिंह के बीच खत्म हुआ विवाद, बातचीत के बाद दूर हुई गलतफहमी

नई दिल्लीः योग गुरु स्वामी रामदेव और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बीच पिछले दिनों पैदा हुआ विवाद अब समाप्त हो गया है। बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों नेताओं ने मुलाकात की और एक-दूसरे का आभार जताते हुए कहा कि बातचीत के बाद सारी गलतफहमियां दूर हो गई हैं और अब कोई विवाद नहीं बचा है।

स्वामी रामदेव ने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह को कुछ गलतफहमी हो गई थी, लेकिन लंबी बातचीत के बाद पूरे मामले की सच्चाई उनके सामने आ गई। उन्होंने कहा, आज उन्होंने भी पूरे मामले का पटाक्षेप कर दिया। हम उनका तहेदिल से धन्यवाद करते हैं। किसी भी कारण से विवाद पैदा हो जाए तो उसे वहीं समाप्त कर देना चाहिए।

रामदेव ने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह ने स्पष्ट कहा है कि वह संतों, सनातन और देश के लिए काम करने वाले लोगों का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से भी इस विवाद को यहीं समाप्त माना जाए। उन्होंने कहा, ह्लहम साधु हैं, किसी बात को बढ़ाना नहीं चाहते। हमारा लक्ष्य केवल सेवा है।

चुनाव आयोग में मतभेद की कहानी पुरानी

ईसी की विश्वसनीयता पर फिर उठे सवाल, टीएन शेषन पर भी लगे थे आरोप

1,बॉटम

नई दिल्लीः चुनाव आयोग यानी देश में लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का पहरेदार। तीन सदस्यीय इस संवैधानिक संस्था से आम तौर पर एक सुर में बोलने की उम्मीद की जाती है, लेकिन क्या चुनाव आयोग के भीतर हमेशा फैसले एकमत से होते हैं? जवाब है- नहीं। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से जुड़े ताजा खुलासे इस तथ्य को फिर से सामने ला दिया है, लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। चुनाव आयोग के इतिहास में ऐसा कई बार हुआ है, जब सदस्यों की राय में मतभेद रहे हैं। भारत के सबसे चर्चित चुनाव आयुक्तों में टीएन शेषन का नाम सबसे पहले लिया जाता है। कहते हैं उनका ऑरा ऐसा था कि उनके नाम से ही नेतागण कांपते थे। टीएन शेषन खुद कहते थे, मैं तो नाश्ते में नेता खाता हूं।

टीएन शेषन बनाम एमएस गिल-जीवीजी कृष्णमूर्ति : टीएन शेषनः इन घटनाओं में सबसे चर्चित नामों में से एक है टीएन शेषन का। 1990 के दशक में शेषन मुख्य चुनाव आयुक्त थे और चुनावी व्यवस्था में सख्ती के लिए उनकी अलग पहचान बन चुकी थी। अक्तूबर, 1993 में राष्ट्रपति ने चुनाव आयोग में दो और चुनाव आयुक्त नियुक्त किए- एमएस गिल और जीवीजी कृष्णमूर्ति। इसके साथ ही आयोग एक सदस्यीय से बहुसदस्यीय हो गया। टीएन शेषन ने इस व्यवस्था को चुनौती दी और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जुलाई, 1995 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि संविधान बहुसदस्यीय चुनाव आयोग की परिकल्पना करता है और चुनाव आयुक्तों की भी निर्णय प्रक्रिया में भूमिका है। यानी सीईसी आयोग का हिस्सा जरूर है, लेकिन बाकी चुनाव आयुक्त केवल औपचारिक सदस्य नहीं हैं। यहीं से एक अहम सिद्धांत स्पष्ट हुआ। अगर तीनों सदस्यों की राय अलग हो तो बहुमत का फैसला लागू होगा। यही व्यवस्था आगे चलकर चुनाव आयोग के भीतर होने वाली असहमतियों का आधार बनी। 1995 में गिल ने आरोप लगाया कि शेषन उन्हें और कृष्णमूर्ति को आयोग के काम में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं कर रहे हैं। एक विवाद में शेषन ने आयोग के काम का एक हिस्सा डिप्टी चुनाव आयुक्त को सौंप दिया, जिस पर गिल और कृष्णमूर्ति ने आपत्ति जताई। तब शेषन पर आरोप लगा था कि वे आयुक्तों को मीटिंग में नहीं बुला रहे थे, कागजात नहीं दिखा रहे थे और अकेले फैसले ले रहे थे। गिल और कृष्णमूर्ति ने आरोप लगाया कि शेषन ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे मौजूद ही नहीं हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ पत्र लिखते रहे, प्रेस में बयानबाजी हुई और आयोग का कामकाज प्रभावित हुआ। एमएस गिल ने कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने ऐसा व्यवहार किया जैसे हम मौजूद ही नहीं हैं।

एन. गोपालस्वामी बनाम नवीन चावला : नवीन चावलाः यह एक असाधारण मामला था। इस मामले में चीफ इलेक्शन कमिश्नर ने अपने सहयोगी और इलेक्शन कमिश्नर को हटाने की सिफारिश कर दी थी। चुनाव आयोग के भीतर ऐसा टकराव सामने आया, जिसने पूरे संस्थान को हिला दिया। जनवरी 2009 में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी ने राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को अपने ही साथी चुनाव आयुक्त नवीन चावला को पद से हटाने की सिफारिश भेज दी। गोपालस्वामी ने चावला पर एक राजनीतिक दल के पक्ष में पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने

का आरोप लगाया था। यह सिफारिश ऐसे समय आई थी, जब लोकसभा चुनाव कुछ ही महीने दूर थे और खुद गोपालस्वामी का कार्यकाल अप्रैल, 2009 में खत्म होने वाला था। मामला इसलिए और बड़ा हो गया, क्योंकि आयोग के तीसरे सदस्य एसवाई कुरैशी को भी इस फैसले की प्रक्रिया से अलग रखे जाने की खबर सामने आई। कुरैशी ने कथित तौर पर इसे सीईसी का व्यक्तिगत फैसला बताया था, आयोग का सामूहिक फैसला नहीं। आखिरकार राष्ट्रपति ने सरकार की सलाह पर गोपालस्वामी की सिफारिश को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद चावला अप्रैल, 2009 में मुख्य चुनाव आयुक्त बने। मतलब यह है कि चुनाव आयोग में असहमति इस स्तर तक पहुंच चुकी थी कि एक सीईसी ने अपने ही साथी आयुक्त को हटाने की सिफारिश कर दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी- अमित शाह को क्लीनचिट और अशोक लवासा की अलग राय : अशोक लवासाः 2019 का लोकसभा चुनाव आयोग के भीतर असहमति के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण रहा। तत्कालीन चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह से जुड़े आदर्श आचार संहिता के मामलों में आयोग के बहुमत के फैसलों से अलग राय रखी। कई शिकायतों में आयोग के बहुमत ने आचार संहिता का उल्लंघन नहीं माना, जबकि लवासा की राय अलग थी। उन्होंने अपनी असहमति को आयोग के आदेशों में दर्ज किए जाने की मांग की। यही विवाद आगे बढ़ा तो लवासा ने आचार संहिता से जुड़े मामलों की बैठकों से खुद को अलग कर लिया। उनका तर्क था कि यदि उनकी असहमति को रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया जाता, तो बैठकों में शामिल होने का कोई औचित्य नहीं है। इस प्रकरण ने चुनाव आयोग में माइनॉरिटी व्यू यानी अल्पमत की राय को सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा बनाने को लेकर बड़ी बहस छेड़ दी। हालांकि आयोग ने स्पष्ट किया कि सदस्यों के बीच मतभेद होना असामान्य नहीं है। 21 मई, 2019 को पूर्ण आयोग ने 2-1 के बहुमत से तय किया कि सदस्यों की अलग-अलग राय फाइल में दर्ज की जाएगी, लेकिन उसे अंतिम आदेश में सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। यह प्रकरण इसलिए ऐतिहासिक रहा, क्योंकि पहली बार चुनाव आयोग के भीतर किसी आयुक्त की असहमति इतनी स्पष्ट तरीके से सार्वजनिक बहस का विषय बनी। दरअसल तीन सदस्यीय चुनाव आयोग की व्यवस्था में बहुमत से फैसले लेने का प्रावधान है, इसलिए सदस्यों के बीच अलग राय होना अपने आप में असंवैधानिक या असामान्य नहीं है। असली सवाल तब उठता है जब यह असहमति आयोग के फैसलों, उसकी पारदर्शिता या सदस्यों के बीच अधिकारों के संतुलन को लेकर सार्वजनिक विवाद का रूप ले लेती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की भूमिकाः भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है, जो लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों का संचालन करती है। आयोग के पास चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े कामों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त यानी सीईसी और चुनाव आयुक्त यानी ईसी मिलकर आयोग के फैसले लेने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं। सीईसी आयोग के प्रमुख होते हैं, जबकि अन्य दो चुनाव आयुक्त भी निर्णय प्रक्रिया में बराबर की भूमिका निभाते हैं। आयोग की जिम्मेदारियों में मतदाता सूची तैयार करना और उसका पुनरीक्षण, चुनाव कार्यक्रम तय करना, मतदान और मतगणना से जुड़ी व्यवस्थाओं की निगरानी और पूरी चुनाव प्रक्रिया का संचालन शामिल है। चुनाव के दौरान राज्य और जिला स्तर की चुनावी मशीनरी आयोग के निर्देशन और नियंत्रण में काम करती है।

एसआईआर के बीच इन चेहरों पर मचा घमासान : ज्ञानेश कुमारः ज्ञानेश कुमार 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने केरल सरकार में अडूर के सब कलेक्टर, अनुसूचित जाति और जनजाति विकास निगम के प्रबंध निदेशक, कोच्चि नगर निगम के नगर आयुक्त, केरल स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के प्रबंध निदेशक और एनार्कुलम के जिला कलेक्टर जैसे पदों पर काम किया। केंद्र सरकार में उन्होंने रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव, संसदीय कार्य मंत्रालय में सचिव और सहकारिता मंत्रालय में सचिव के तौर पर काम किया।

सुखबीर सिंह संधूः चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू 1988 बैच के उत्तराखंड कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने 15 मार्च, 2024 को चुनाव आयुक्त का पद संभाला थ। इससे पहले वह जुलाई 2021 से जनवरी 2024 तक उत्तराखंड के मुख्य सचिव रहे। इससे पहले करीब दो साल तक 2019 से 2021 के बीच एनएचएआई के अध्यक्ष रहे। उन्होंने कुछ समय भारत के लोकपाल के सचिव के तौर पर भी काम किया। केंद्र में वह उच्च शिक्षा विभाग में अतिरिक्त सचिव रहे, जहां आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों से जुड़े काम देखते थे।

विवेक जोशीः डॉ. विवेक जोशी 1989 बैच के हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने 19 फरवरी 2025 को चुनाव आयुक्त का पद संभाला था। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। चुनाव आयोग में आने से पहले वह हरियाणा के मुख्य सचिव थे। इससे पहले केंद्र में उन्होंने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव और भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के तौर पर काम किया। उन्होंने कपड़ा मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और वित्त मंत्रालय समेत कई विभागों में भी काम किया।

सेवा संकल्प यात्राः प्रतिभागियों से प्रधानमंत्री मोदी ने की बातचीत, कहा- सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए,5

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सेवा संकल्प यात्रा के प्रतिभागियों से बातचीत की। सेवा यात्री 10 समूहों में वड़नगर से वाराणसी तक साइकिल यात्रा कर रहे हैं। इसके साथ ही बातचीत में झाबुआ जिले के एक गांव में मोदी फालिया नाम रखे जाने और युवाओं के समर्थन का भी जिक्र हुआ।

पुरानी कहावत का जिक्र कर क्या बोले पीएम? : प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक पुरानी कहावत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'एक पुरानी कहावत है कि जब कोई यात्रा से लौटता है और आप उन्हें प्रणाम करते हैं, तो उस यात्रा से मिले आध्यात्मिक पुण्य का आधा हिस्सा प्रणाम करने वाले व्यक्ति को मिल जाता है। इसलिए आज, इन सभी 'सेवा यात्रियों' को नमन करके, मैं भी उस पुण्य का आधा हिस्सा ले रहा हूं।'

'सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए': पीएम मोदी ने हिस्सा लेने वालों से अपना ध्यान रखने को कहा और इस बात पर जोर दिया कि सेवा ही मुख्य मकसद होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए। हमें सिर्फ उपदेश देकर नहीं, बल्कि खुद सेवा करके सेवा का संदेश देना चाहिए। हम अपने कामों से सेवा का संदेश देंगे, सिर्फ बातों से नहीं।' उन्होंने कहा कि हिस्सा लेने वालों का व्यवहार लोगों को यह दिखाना चाहिए कि चाहे कितनी भी राजनीतिक ताकत क्यों न मिल जाए, रास्ता सेवा का ही होना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा व्यवहार लोगों को यह दिखाना चाहिए कि चाहे हमें कितनी भी बड़ी राजनीतिक ताकत क्यों न मिले, हमारा रास्ता सेवा का ही रहता है।'

न्यूज IN ब्रीफ

निर्वाचन आयोग के भीतर दर्ज आपत्तियां लोकतंत्र की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल : हृदयानंद मिश्र

मेदिनीनगर : झारखंड प्रदेश राजीव गांधी विचार समिति के अध्यक्ष हृदयानंद मिश्र ने निर्वाचन आयोग के भीतर दो निर्वाचन आयुक्तों द्वारा पिछले दस महीनों में कम-से-कम 14 बार दर्ज कराई गई आपत्तियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर विषय बताते हुए कहा है कि यह मामला केवल चुनावी प्रक्रिया का नहीं, बल्कि मतदाता के अधिकार और चुनावी संस्थाओं में जनता के विश्वास से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि द इंडियन एक्सप्रेस की जांच रिपोर्ट के अनुसार निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने मतदाता पंजीकरण, नाम हटाने और बहाल करने, फॉर्म-6 में बदलाव तथा निर्वाचन डेटा के नियंत्रण जैसे विषयों पर औपचारिक आपत्तियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के अनुसार कुछ कदमों को उन्होंने ह्व४ल्लं४३ँङ्क१ रीह्वि और ह्व’ ीं’ह्व तक बताया।

हृदयानंद मिश्र ने कहा कि सवाल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के पक्ष अथवा विपक्ष का नहीं, बल्कि उस संवैधानिक व्यवस्था की विश्वसनीयता का है जिसके माध्यम से नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा होती है। यदि निर्वाचन आयोग के भीतर ही किसी निर्णय की प्रक्रिया, अधिकार और पारदर्शिता को लेकर लिखित आपत्तियां दर्ज होती हैं, तो उन आपत्तियों और उनके निस्तारण का पूरा तथ्य देश के सामने आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने अपनी ओर से स्पष्ट किया है कि संस्थागत ी्रि१३ङ्गल्ल में अलग-अलग मत, टिप्पणियां और तकनीकी सुझाव सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं तथा सभी महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए।

ह्वइसीलिए अब आवश्यकता आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि पूर्ण पारदर्शिता की है। निर्वाचन आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि जिन आपत्तियों का उल्लेख सामने आया है, वे किन निर्णयों से संबंधित थीं, उन पर क्या कार्रवाई हुई और मतदाता सूची तथा उसके डिजिटल डेटाबेस की सुरक्षा एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कौन-कौन से संस्थागत नियंत्रण मौजूद हैं।ह्व

श्री मिश्र ने कहा कि मतदाता सूची में किसी योग्य नागरिक का नाम जुड़ना अथवा किसी नागरिक का नाम हटना महज प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है; इसका सीधा संबंध उसके संवैधानिक मतदान अधिकार से है। इसलिए प्रत्येक संशोधन के पीछे स्पष्ट प्रक्रिया, रिकॉर्ड, अपील का प्रभावी अवसर और जवाबदेही आवश्यक है। उन्होंने कहा, ह्ववोट किसी सरकार, राजनीतिक दल या किसी संस्था की कृपा नहीं है। वोट नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, पारदर्शिता और संस्थागत विश्वसनीयता पर जनता का भरोसा लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है। इस भरोसे की रक्षा केवल आश्वासन से नहीं, बल्कि तथ्यों को सार्वजनिक करने और हर उचित प्रश्न का स्पष्ट उत्तर देने से होगी।ह्व

हृदयानंद मिश्र ने मांग की कि निर्वाचन प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णयों में पारदर्शिता, विधिक प्रक्रिया, स्वतंत्र संस्थागत निगरानी और नागरिकों के प्रभावी अपील अधिकार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि किसी भी योग्य मतदाता को अपने मताधिकार से वंचित होने की आशंका न रहे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता बदलती रहती है, सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन मतदाता का अधिकार स्थायी है। इसलिए चुनावी संस्थाओं की विश्वसनीयता की रक्षा किसी दल का नहीं, पूरे राष्ट्र का दायित्व है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

मेदिनीनगर : चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर तैबा नगर में 32 वर्षीय मुसाहिद रजा ने बुधवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मो. सुलेमान का पुत्र था। परिजनों के अनुसार, रात करीब नौ बजे खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया था। बाद में कमरे में उसे फांसी पर लटका पाया गया। परिजन तत्काल उसे एमएमसीएच ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि मुसाहिद पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान था। सूचना पर अस्पताल पुलिस चौकी की पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

सड़क हादसे में एक भाई की मौत, दूसरा गंभीर

मेदिनीनगर : उटारी थाना क्षेत्र के भदुमा गांव निवासी सहेंद्र दीक्षित (35) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि उनके भाई प्रदीप दीक्षित गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों भाई बुधवार को बाइक से गढ़वा जिले के कांडी स्थित जजमान के घर गए थे। शाम को लौटने के दौरान बहेरवा गांव के पास उनकी बाइक की अज्ञात बोलेरो से टक्कर हो गई। ग्रामीणों ने दोनों को गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचाया। गंभीर स्थिति में सहेंद्र को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस अज्ञात बोलेरो की तलाश में जुटी है।

धनबाद में चक्रवात अर्नब का असर, आज भारी बारिश संभव

धनबाद : धनबाद समेत आसपास के क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने गहरे डीप डिप्रेशन चक्रवात अर्नब का असर दिखने लगा है। 24 सितंबर को धनबाद में बादल छाए रहने के साथ मध्यम बारिश या गरज के साथ बारिश होगी। इस दौरान भारी बारिश और तेज आंधी की भी संभावना है। बुधवार की सुबह से ही धनबाद और आसपास के क्षेत्रों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। बुधवार को हुई बारिश के बाद शहर के कई निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई। लगातार बारिश होने के कारण शहर के निचले हिस्सों, गलियों और प्रमुख सड़कों पर पानी जमा होने की समस्या बढ़ गई है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने अगले कई दिनों तक बारिश, गरज-चमक और तेज हवा की संभावना जताई है। 24 सितंबर को धनबाद में बारिश की तीव्रता बढ़ने और कई जगहों पर भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है.

पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से झारखंड में बारिश की गतिविधियां बढ़ी हैं। मौसम विभाग ने 24 सितंबर को धनबाद में बादल छाए रहने के साथ मध्यम बारिश या गरज के साथ बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान भारी बारिश और तेज आंधी की भी संभावना है।धनबाद में 25 सितंबर को भी बादल छाए रहने के साथ बारिश और गरज-चमक की संभावना है।

चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति देने में जुटे विधायक सुखराम उरांव

सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर

ज्योति पाठक

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से विधायक सुखराम उरांव लगातार क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने, जर्जर सड़कों के सुधार, बिजली एवं पेयजल की समस्या के समाधान, शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने को लेकर विधायक की ओर से लगातार पहल किए जाने की बात कही गई है।

विधायक सुखराम उरांव का कहना है कि चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र काफी विस्तृत है और यहां बड़ी संख्या में ग्रामीण आबादी निवास करती है। क्षेत्र के कई गांव आज भी सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे में प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं को चिन्हित कर उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

ग्रामीण सड़कों और संपर्क व्यवस्था पर विशेष जोर

विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आवागमन को बेहतर बनाने के लिए सड़क निर्माण एवं मरम्मत के कार्यों को प्राथमिकता देने की दिशा में पहल की जा रही है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें खराब होने के कारण लोगों को बरसात के मौसम में विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता है। विधायक की ओर से ग्रामीण सड़कों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक स्थानों पर सड़क निर्माण एवं मरम्मत की मांग संबंधित विभाग के समक्ष रखने की बात कही गई है।

इसके साथ ही जहां नदी-नालों के कारण आवागमन बाधित होता है, वहां पुल-पुलिया निर्माण की आवश्यकता को भी प्रमुखता से उठाया जा रहा है। विधायक का कहना है कि बेहतर सड़क और संपर्क व्यवस्था से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार जैसी सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी होगी।

बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में पहल

चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बिजली से जुड़ी समस्याओं को लेकर भी विधायक द्वारा लगातार आवाज उठाने की बात कही गई है। कई गांवों में विद्युत आपूर्ति, खराब ट्रांसफॉर्मर और बिजली के तारों से संबंधित समस्याएं सामने आती रही हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई कराने पर जोर दिया जा रहा है।

विधायक का कहना है कि बिजली आज के समय में ग्रामीण विकास की बुनियादी आवश्यकता है। बिजली की बेहतर व्यवस्था से बच्चों की पढ़ाई, किसानों की गतिविधियों, छोटे व्यवसाय और घरेलू जरूरतों को काफी सहूलियत मिलती है।

पेयजल समस्या के समाधान को प्राथमिकता

गर्मी एवं बरसात के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या को देखते हुए चापाकल, जलापूर्ति व्यवस्था तथा अन्य पेयजल सुविधाओं को दुरुस्त करने की जरूरत पर भी विधायक की ओर से जोर दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां पेयजल की समस्या अधिक है, वहां आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग संबंधित विभाग के समक्ष रखी जा रही है।

विधायक का कहना है कि किसी भी गांव के विकास का आधार वहां की मूलभूत सुविधाएं हैं और स्वच्छ पेयजल प्रत्येक नागरिक का महत्वपूर्ण अधिकार है।

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर

चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विद्यालयों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, भवनों की स्थिति सुधारने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर भी ध्यान देने की बात कही गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए दूर न जाना पड़े, इसके लिए विद्यालयों में आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर विधायक लगातार जोर देते रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार को क्षेत्र के दीर्घकालीन विकास से जोड़कर देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को गांवों तक पहुंचाने की पहल

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता भी विधायक की प्राथमिकताओं में शामिल बताई गई है। दूरदराज के गांवों के लोगों को समय पर इलाज मिल सके, इसके लिए स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर बनाने तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई जा रही है।

विधायक का कहना है कि गरीब और ग्रामीण परिवारों को इलाज के लिए आर्थिक एवं भौगोलिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी ध्यान

चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र की बड़ी आबादी कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। किसानों को सिंचाई, सड़क, बिजली, बाजार तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक पहल किए जाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होने से गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और लोगों को पलायन की समस्या से राहत मिल सकती है। विधायक की ओर से किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने तथा योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में काम करने की बात कही गई है।

जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने का दावा

विधायक सुखराम उरांव का कहना है कि जनप्रतिनिधि होने के नाते क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सरकार और प्रशासन के समक्ष रखना उनकी जिम्मेदारी है। गांव-गांव से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों तक पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और रोजगार जैसे विषयों पर लगातार काम करने की आवश्यकता है। विकास का लाभ केवल शहर तक सीमित न रहकर सुदूर ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंचे, यही प्रयास होना चाहिए।

विकास कार्यों में जनता की भागीदारी जरूरी

विधायक ने कहा कि क्षेत्र के विकास में जनता की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। ग्रामीण अपने क्षेत्र की समस्याओं से जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान कराया जा सके। उन्होंने कहा कि चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास की योजनाएं पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने क्षेत्रवासियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को लगातार मजबूती के साथ उठाया जाता रहेगा और सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जाएगा।

चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की प्रक्रिया को लगातार आगे बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए विधायक सुखराम उरांव द्वारा किए जा रहे प्रयासों को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है। आने वाले समय में विभिन्न विकास योजनाओं के धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण जनता को सुविधाएं मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

धान के खेत में घुसकर मारपीट व धमकी का आरोप, पांच पर प्राथमिकी

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद : महुदंड थाना क्षेत्र के महुदंड गांव में धान के खेत में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मुनि देवी के लिखित आवेदन पर पुलिस ने सविता देवी, सकेंदर यादव, अमित कुमार, शोभा कुमारी और राजा कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राथमिकी में मुनि देवी ने आरोप लगाया है कि 15 सितंबर को करीब चार बजे वह अपने धान के खेत में घोरान लगा रही थीं। इसी दौरान उक्त पांचों लोग लाठी-डंडे के साथ खेत में पहुंचे और घोरान लगाने को लेकर गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर सविता देवी ने लाठी से मारपीट की, जिससे वह खेत में गिर गईं। इसके बाद सकेंदर यादव द्वारा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

आवेदन के अनुसार, शोर सुनकर मुनि देवी की बेटी नीलू कुमारी मौके पर पहुंची तो उसके साथ भी मारपीट की गई। मुनि देवी ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के बाद आरोपित पक्ष के लोग घर पर आकर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने पुलिस से मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बताया गया है कि इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से प्राथमिकी दर्ज है। सविता देवी के आवेदन पर मुनि देवी समेत पांच लोगों के खिलाफ 21 सितंबर को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसके अगले दिन 22 सितंबर को मुनि देवी ने पांच लोगों के खिलाफ काउंटर केस दर्ज कराया। दोनों पक्षों की ओर से बतायी गई घटना की तारीख 15 सितंबर है। पुलिस दोनों मामलों को लेकर घटना के कारणों और आरोपों की जांच कर रही है।

बाबू वीर कुंवर सिंह की वीरगाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए स्मृति संग्रहालय का होगा कायाकल्प : मुख्यमंत्री

संवाददाता

पटना : मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज भोजपुर जिले के जगदीशपुर स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह स्मृति संग्रहालय का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा संग्रहालय में प्रदर्शित विभिन्न ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक सामग्रियों का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने संग्रहालय में बाबू वीर कुंवर सिंह के जीवन, संघर्ष, शौर्य और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान से संबंधित ऐतिहासिक तथ्यों एवं घटनाओं की विस्तृत जानकारी ली। बाबू वीर कुंवर सिंह के जीवन एवं कृतित्व पर आधारित लघु फिल्म की प्रस्तुति भी मुख्यमंत्री के समक्ष की गई।

मुख्यमंत्री के समक्ष बाबू वीर कुंवर सिंह स्मृति संग्रहालय के कायाकल्प एवं सौंदर्गीकरण से संबंधित विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण का अवलोकन करने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह स्मृति संग्रहालय का सौंदर्गीकरण एवं कायाकल्प बेहतर और आकर्षक ढंग से किया जाए। यह स्थल केवल पर्यटकों के लिए ही नहीं, बल्कि बाबू वीर कुंवर सिंह के जीवन एवं स्वतंत्रता आंदोलन पर अध्ययन करने वाले शोधार्थियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए यहां आने वाले शोधार्थियों के रहने-सहने एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि संग्रहालय में मौजूद ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक साक्ष्यों की मूल स्वरूप में सुरक्षा सुनिश्चित हो तथा उनके साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं हो। उन्होंने संग्रहालय परिसर में अवस्थित तालाब का भी बेहतर ढंग से सौंदर्गीकरण कराने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने संग्रहालय परिसर में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग तथा कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भूमिहीन लाभार्थियों को बासगीत पर्चा प्रदान किया। मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना के लाभार्थियों ने पेंशन का लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से जिले में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि जिला अस्पतालों से मरीजों को पहले की अपेक्षा काफी कम संख्या में बाहर रेफर किया जा रहा है, जिसके कारण जिला अस्पतालों में ऑपरेशन की संख्या पहले की तुलना में लगभग तीन गुना बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों का भी अवलोकन किया तथा उनके उत्पादों और प्रयासों की सराहना की।

सिलफोड़ी में 60 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान, घर-घर पहुंचकर दी योजनाओं की जानकारी

संवाददाता

चाईबासा/चक्रधरपुर : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर जिले में संचालित 60 दिवसीय मेगा विधिक जागरूकता अभियान के तहत चक्रधरपुर प्रखंड के सिलफोड़ी पंचायत अंतर्गत सिलफोड़ी गांव में लगातार सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

यह अभियान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चाईबासा मोहम्मद शाकिर की अध्यक्षता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी के निर्देश पर संचालित किया जा रहा है।

अभियान के दौरान विधिक सेवा प्राधिकार के अधिकार मित्र समूह संख्या-2 की पिंकी बोदरा, कर्ण कुंभकार एवं अनिता बोदरा ने गांव में घर-घर जाकर ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। इस दौरान वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन, श्रमिक पहचान पत्र, आधार कार्ड, शिक्षा, आयुष्मान भारत योजना, अबुआ आवास योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी दी गई।

बच्चों के अधिकार और विधिक सहायता की दी जानकारी

अधिकार मित्रों ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार की ह्वबच्चों के लिए बाल अनुकूल विधिक सेवाएं एवं उनके अधिकारों का संरक्षण योजनाह्व के बारे में भी ग्रामीणों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य विधि से संघर्षरत बच्चों तथा देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को बाल अनुकूल वातावरण में त्वरित और निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है।

अधिकार मित्रों ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक बच्चा, चाहे वह विधि का उल्लंघन करने वाला हो अथवा किसी अपराध का पीड़ित, इस योजना के दायरे में आता है। योजना के तहत पीड़ित बच्चे के लिए सहयोगी व्यक्ति की नियुक्ति की व्यवस्था है, जो बच्चे को चिकित्सा, परामर्श तथा अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग करता है। साथ ही पुनर्वास के लिए भी आवश्यक सहायता दिलाने का प्रावधान है।

ग्रामीणों को बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि बाल सहायता सेवा 1098 के माध्यम से चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध है। संकट में होने पर किसी भी बच्चे के लिए तत्काल 1098 पर संपर्क किया जा सकता है।

13 परिवारों का किया गया सर्वेक्षण

सिलफोड़ी गांव में किए गए सर्वेक्षण के दौरान कुल 13 परिवारों का भ्रमण किया गया। इस दौरान कई परिवारों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए चिन्हित किया गया।

अधिकार मित्रों ने संबंधित परिवारों को संबंधित विभागों से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की तथा आवश्यक विवरण संकलित कर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चाईबासा कार्यालय को भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी योजनाओं की कागजी प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी नहीं होने के कारण वे अब तक कई योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने कहा कि 60 दिवसीय अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, विधिक सहायता और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों के माध्यम से ग्रामीणों को उनके अधिकारों और उपलब्ध सरकारी सुविधाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभ दिलाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।